www.tamsasanket.com
वर्ष: 29|| अंक 114 ||अम्बेडकरनगर
बुधवार
15 जुलाई 2026 ||पृष्ठ: 08||मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्मभूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:22
सूर्यास्त: 07:03
अधिकतम: 34°00
न्यूनतम: 28°00

पेज 07

विशेष समाचार | एक युग का अवसान एक ... >> पेज 04 | हत्यारोपी मुस्तफिजुल ... >> पेज 06 | 'फालतूगिरी मत करना'...

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- मुस्लिम पक्ष को अलग जगह दें, एएसआई परिसर से छेड़छाड़ न करे

धार भोजशाला परिसर के पास होगी नमाज

फैसला

■ सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों से जवाब मांगा है। अब इस विवाद पर आगे की सुनवाई बाद में होगी।

तमसा संकेत, एजेंसी

धार। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को धार भोजशाला मंदिर के पास नमाज के लिए कोई खुला स्थान देने को कहा है। कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए यह जगह दी जाए।

अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) बिना कोर्ट की मंजूरी परिसर में किसी भी तरह का बदलाव न करे। सुप्रीम कोर्ट MP हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें परिसर को मंदिर करार दिया गया है। सुनवाई के बाद भोजशाला संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार भोजशाला में नियमित पूजा-अर्चना जारी रहेगी।

>> (शेष 06 पर)

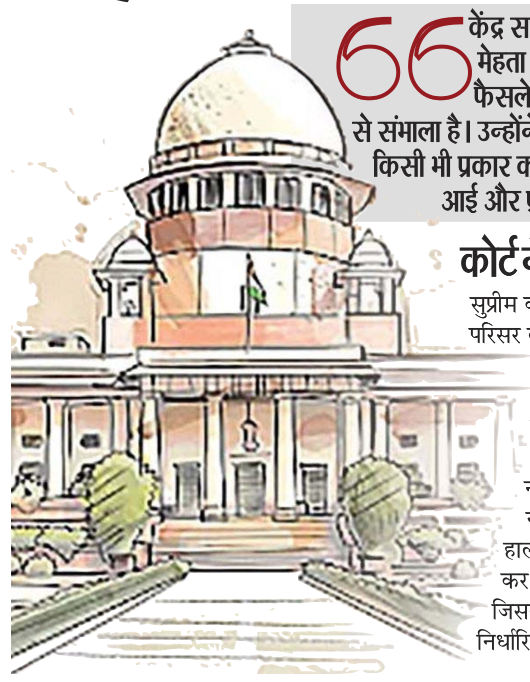

> केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हाईकोर्ट के फैसले के बाद प्रशासन ने पूरे मामले को शांतिपूर्ण ढंग से संभाला है। उन्होंने कहा कि आदेश लागू होने के बाद क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था संबंधी समस्या सामने नहीं आई और प्रशासन ने सामाजिक सौहार्द बनाए रखा है।

कोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर को लेकर मुस्लिम पक्षों की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है। इन याचिकाओं में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर माना गया था और परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगा दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने मामले की सुनवाई की। हालांकि, कोर्ट ने फिलहाल अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। यानी पहले जैसी व्यवस्था बहाल नहीं होगी, जिसके तहत शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय को नमाज और निर्धारित दिनों में हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी।

मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले पर जताई आपत्ति

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने दलील दी कि हाईकोर्ट के फैसले से परिसर में वर्षों से चली आ रही धार्मिक व्यवस्था पूरी तरह बदल गई है। उन्होंने अदालत को बताया कि लंबे समय से शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय नमाज अदा करता था, जबकि मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा की अनुमति थी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद मुस्लिम समुदाय को परिसर में प्रवेश और नमाज से वंचित कर दिया गया है। उन्होंने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट और उसके आधार पर दिए गए निष्कर्षों पर भी सवाल उठाए।

भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं होगा

मुस्लिम पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता हुजैफा अहमदी की मांग स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) कोर्ट की पूर्व अनुमति के बिना भोजशाला परिसर में कोई भी संरचनात्मक बदलाव नहीं करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि मामले की अंतिम सुनवाई करीब तीन सप्ताह बाद की जाएगी। मामले की सुनवाई शुरू होते ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मुस्लिम पक्ष की याचिकाओं पर नोटिस जारी करने का फैसला किया। साथ ही, मामले को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए।

पूजा स्थल अधिनियम का दिया गया हवाला

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने भी मुस्लिम पक्ष की ओर से पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला पूजा स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991 की भावना और प्रावधानों के विपरीत है। उनका कहना था कि परिसर में लंबे समय से नमाज अदा की जाती रही है और इसके समर्थन में कई सरकारी अभिलेख भी उपलब्ध हैं। ऐसे में लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था को बदलना कानून के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

अखिलेश यादव की भाजपा पर तीखी टिप्पणी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से आमरण अनशन समाप्त करने की अपील करते हुए कहा कि उनका जीवन देश, लोकतंत्र और पर्यावरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार को जगाने के लिए वांगचुक अनशन पर हैं, वह जनता की भावनाओं के प्रति संवेदनशील नहीं है, इसलिए उनके जीवन की रक्षा अधिक जरूरी है। अखिलेश यादव ने कहा कि सोनम वांगचुक का संघर्ष लोकतंत्र, मानवता और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने आशा जताई कि वांगचुक आगे भी देशवासियों, युवाओं और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। इसी दौरान अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश और देश में महंगाई, भ्रष्टाचार, अपराध और अन्याय चरम पर है।

गुजरात के अंबाजी मंदिर में दान की चोरी

2 महीने पुराना सीसीटीवी हुआ वायरल

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

अंबाजी। राम मंदिर में चंदे की चोरी का मुद्दा देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच गुजरात के प्रसिद्ध शक्तिपीठ अंबाजी मंदिर के खजाने में हुई चोरी का एक सीसीटीवी फुटेज वायरल है।

हालांकि, यह फुटेज दो महीने पुराना है। इसमें आउटसोर्सिंग कर्मचारी नोटों का एक बंडल अपने पैरों के नीचे छिपाते नजर आ रहा है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी चिराग ठाकोर समेत तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया था। मंदिर ट्रस्ट

■ बाथरूम जाते समय नोटों का बंडल गिर गया था

इनकी सेवाएं खत्म कर चुका है।

फुटेज वायरल होने पर बनासकांठा कलेक्टर मिहिर प्रवीण-कुमार पटेल ने भी बताया कि यह घटना 5 मई, 2026 की है। घटना सामने आते ही मंदिर ट्रस्ट ने FIR दर्ज कराई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

विरोध : होर्मुज में जहाजों को निशाना बनाना बंद हो : भारत

व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी

निंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में मंगलवार सुबह दो व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। मंत्रालय ने इन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर इस

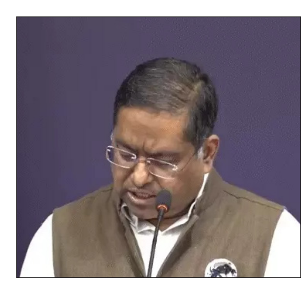

तरह के हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, हमले का शिकार बने दोनों जहाजों पर कुल 30 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 10 घायल हुए हैं। भारत ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना

■ इस बीच विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं।
■ ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं।

जताई है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

भारत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव चिंता का विषय है।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

ऑपरेशन सिंदूर के बाद 10 लाख करोड़ की डिफेंस डील

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा खरीद का पैटर्न तेजी से बदला है। पिछले 14 महीनों में मंजूर रिकॉर्ड प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना को अब सिर्फ सीमित जवाबी कार्रवाई के लिए नहीं, बल्कि लंबी और मल्टीलेवल वॉर के लिए तैयार किया जा रहा है।

इनकार | निर्णय

सुप्रीम कोर्ट का 3 लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक से इनकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) की थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी भाषा सीखना कभी बेकार नहीं जाता है। साथ ही इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों को लेकर सरकार और सीबीएसई से 10 दिन में जवाब मांगा है। अब 14 दिन बाद 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई होगी। दरअसल, थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी मौजूदा 2026-27 सेशन से लागू कर दी गई है। नई पॉलिसी के मुताबिक स्टूडेंट्स को 2 भारतीय भाषाएं और एक विदेशी भाषा पढ़नी होगी।

नासिक में महिला पर्यटक पर हमला

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में भावली डैम के पास महिला पर्यटक से कथित छेड़छाड़ और उसके परिवार पर हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना के दो दिन बाद मंगलवार को गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़, हत्या के प्रयास और डकैती सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

राम मंदिर ट्रस्ट के खातों पर रोजाना निगरानी

दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू, हर दिन आय-व्यय का मिलान

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने वित्तीय व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में बड़ा बदलाव किया है। सूत्रों के अनुसार, अंतरिम महासचिव डॉ. कृष्ण मोहन को ट्रस्ट के खातों की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद चंदन राय और जगदीश आफले ने सहयोगी के रूप में अकाउंट सिस्टम का संचालन संभाल लिया है। दोनों अधिकारियों ने कामकाज शुरू कर दिया है। वित्तीय प्रक्रियाओं को नई व्यवस्था के तहत संचालित किया जा रहा है।

■ दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा
■ लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव हो सकेगा

सूत्र बताते हैं कि सबसे बड़ा बदलाव दैनिक ऑडिट (डेली ऑडिट) व्यवस्था के रूप में किया गया है। अब मंदिर में होने वाली आय और व्यय का हर दिन मिलान और ऑडिट किया जा रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कॉकरोच जनता पार्टी बोली- सरकार बेपरवाह, उद्धव-महुआ और अखिलेश की भूख हड़ताल खत्म करने की अपील

वांगचुक 17 दिन से अनशन पर, 8.5 केजी वजन घटा

हड़ताल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन है। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है। वजन 8.5kg कम हो गया है। अनशन शुरू होने पर वजन 67 किग्रा था।

वांगचुक नीट पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर 28 जून से अनशन कर रहे हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव,

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा, एक्टर नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, राइटर अरुंधति रॉय समेत कई प्रमुख हस्तियों ने सोनम से अनशन खत्म करने की अपील की है। सपा चीफ अखिलेश यादव- जिस भाजपा सरकार को वह अपने आमरण अनशन से जगाने की कोशिश कर रहे हैं, वह सिद्धांतहीन और भ्रष्ट व्यवस्था बन चुकी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ आम आदमी पार्टी नेता आतिशी सोमवार को सोनम वांगचुक से मिलने पहुंची थीं।

> कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा कि सरकार को वांगचुक की कोई चिंता नहीं है। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि वांगचुक की जान को खतरा है। सरकार को मांगों पर ध्यान देना चाहिए।

सोनम वांगचुक 170 दिन जोधपुर जेल में रहे

लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे सोनम वांगचुक 170 दिन तक जोधपुर जेल में रहे। उनके अनशन के दौरान 24 सितंबर 2025 को लेह में हिंसा हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत और 90 लोग घायल हुए।

>> (शेष पेज 06 पर)

मौसम : 11 साल में यह तीसरी बार ■ राजस्थान-एमपी-यूपी में 7 दिन बारिश नहीं

देश में मानसून ब्रेक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल। देश के बड़े हिस्से में जुलाई के दूसरे हफ्ते में मानसून पर ब्रेक लग गया है। 2015 और 2021 के बाद 11 साल में यह तीसरा मौका है, जब जुलाई में बारिश नहीं हो रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 6-7 दिन उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत के अधिकांश हिस्सों में बारिश के आसार कम हैं। हालांकि, पूर्वोत्तर, बिहार और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश जारी रहेगी।

मध्य प्रदेश में पहली बार जुलाई में मानसूनी सीजन में कम बारिश दर्ज की गई है। राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कहीं भी बारिश नहीं हुई। श्रीगंगानगर में पारा 41.5°C रहा।

दरअसल, हवा में नमी बढ़ गई है। पसीना जल्दी नहीं सूख रहा, इससे शरीर ठंडा नहीं हो पाता और जितना तापमान है उससे कहीं ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसे हीट इंडेक्स कहते हैं।

भुवनेश्वर में पारा 36°C और हीट इंडेक्स 49°C तक पहुंच गया है। मुंबई में 32°C और गर्मी 40°C जैसी महसूस हो रही है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली में आज तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है

दिल्ली में मंगलवार सुबह गर्मी बनी रही। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 28.4°C दर्ज किया गया। पालम में 26.8°C, लोधी रोड में 28.2°C, रिज में 24.2°C और आया नगर में 28.8°C तापमान रिकॉर्ड हुआ।

IMD के मुताबिक, दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। अधिकतम तापमान 37°C के आसपास रहने का अनुमान है। मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक सिर्फ रिज इलाके में 0.2 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि बाकी मौसम केंद्रों पर बारिश नहीं हुई।

■ गुवाहाटी में भारी बारिश हुई। इसके बाद सड़क पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया, जिसमें कई गाड़ियां फंसी हुई नजर आईं।

बंगाल की खाड़ी पर बना कम दबाव का क्षेत्र, अगले 7 दिन बारिश

उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना के कारण अगले 7 दिनों में पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश बढ़ने की उम्मीद है। 14 और 15 जुलाई 2026 को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दिव्यांगों पर टिप्पणी- कॉमेडियन समय रैना समेत पांच पर जुर्माना

हमारे आदेशों का खुलेआम उल्लंघन किया : सुप्रीम कोर्ट

फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्टैंड-अप कॉमेडियन और यूट्यूबर समय रैना, रणवीर अलाहाबादिया, विपुल गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर, निशांत जगदीश तंवर पर 3 लाख रुपए जुर्माना लगाया है।

अदालत ने दिव्यांगों पर विवादित टिप्पणी के केस में यह आदेश दिया है। इसकी सुनवाई CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने की। बेंच ने कहा कि हमारे आदेश के बावजूद रैना ने अपने शो पर किसी दिव्यांग को नहीं बुलाया। अदालत ने कहा-हमें लगता है कि रैना ने अदालत को गुमराह किया और हमारे आदेशों का

■ सुप्रीम कोर्ट बोला- हमने आजादी दी ताकि सुधरें पर कुछ नहीं हुआ, हमें गुमराह किया

खुलेआम उल्लंघन किया। हम उन पर जुर्माना लगाते हैं, जिसे 2 हफ्ते में जमा करना होगा। अदालत क्योर एसएमए इंडिया फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें रैना के शो पर स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के इलाज के खर्च पर असंवेदनशील टिप्पणी करने और दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का आरोप है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राज्यपाल बोलीं- मेरा कहा वायरल हो जाता है, आपको सर्वश्रेष्ठ बनाना मकसद

'13 साल की बेटियों को बचाइए उन्हें ध्यान दीजिए'

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

राज्यपाल ने निदेशक से पूछा- पुस्तक केवल 2 ही लिखी गई। रिसर्च कितनी की, पेटेंट कितना किया? मैंने बीच में कहा था कि मां-बेटी सम्मेलन करना है पर समझ ही नहीं पाए। इसके पीछे लक्ष्य क्या था, इसे समझना चाहिए।

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि मेरा कहा हुआ वायरल हो जाता है। वह सब कहने का मेरा उद्देश्य गलत नहीं होता। आपको सर्वश्रेष्ठ बनाना मेरा मकसद है। 13 साल की बेटियों को बचाइए, उन्हें ध्यान दीजिए। इसी उम्र में मेंसुरेशन शुरू होता है। इस उम्र की बेटियों की जांच जरूर होनी चाहिए। उन्हें समय से इलाज मिले।

इस उम्र में आकर्षण होता है। एक-दूसरे से प्रेम होता है। जब एक-दो साल प्रेम के बाद पकड़ा जाता है तो वह सरकार के माथे आता है। टीचर्स जब पढ़ाते हैं तो उन्हें ध्यान नहीं रहता क्या क्लास में किसकी नजर किस पर है? यदि सच्चा प्रेम है तो दोनों मिलकर तय कर लीजिए कि जब तक पढ़ाई पूरी नहीं होगी तब तक नो मैरिज।

राज्यपाल ने यह बात मंगलवार को संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ के 30वें दीक्षांत समारोह में कही। उन्होंने 279 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां दीं।13 उत्कृष्ट शिक्षक, शोधकर्ता, डॉक्टर और विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों और गोल्ड मेडल दिया। इस दौरान यूपी स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। राज्यपाल ने कहा- मैं 10 जिलों में ऐसी लड़कियों से मिली हूं। 13 की उम्र बचाने की है। दोष उनका नहीं है। आकर्षण होना कुदरती है। मेरा काम कमियां निकालना है पर ये गलत उद्देश्य से नहीं है। आपको सर्वश्रेष्ठ बनाने के मकसद से कह रही हूं।

मैं राज्यपाल हूं ..कभी मुझे कोई खामी दिखे तो मैं खुद बताती हूं।

आपके 13 में से 4 हॉस्टल में मेस, सभी में होनी चाहिए

राज्यपाल ने कहा- जनभवन की टीम से जब PFO आते हैं कई जगह बॉटल दिखती है। जनभवन की टीम को EMRTC में छत से पानी टपकता है। क्लास रूम में ब्लैक बोर्ड पर टीचर को लिखने के प्लेटफार्म बनना चाहिए। किसी भी क्लास रूम में ये प्लेटफॉर्म नहीं बना है। 13 होस्टल में 4 मेस है। सभी में नहीं है। छात्रों की मांग है कि मेस सभी हॉस्टल में होनी चाहिए।

13 साल की उम्र में आकर्षण हो जाता है, बेटियों को ध्यान दीजिए

रज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- मेरा कहा हुआ वायरल हो जाता है। वह सब कहने का मेरा उद्देश्य गलत नहीं होता। आपको सर्वश्रेष्ठ बनाना मेरा मकसद है। 13 साल की बेटियों को बचाइए, उन्हें ध्यान दीजिए। इसी उम्र में मेंसुरेशन शुरू होता है। इस उम्र की बेटियों की जांच जरूर होनी चाहिए। उन्हें समय से इलाज मिले। इस उम्र में आकर्षण होता है। एक-दूसरे से प्रेम होता है। जब एक-दो साल प्रेम के बाद पकड़ा जाता है तो वह सरकार के माथे आता है। टीचर्स जब पढ़ाते हैं तो उन्हें ध्यान नहीं रहता क्या क्लास में किसकी नजर किस पर है? यदि सच्चा प्रेम है तो दोनों मिलकर तय कर लीजिए कि जब तक पढ़ाई पूरी नहीं होगी तब तक नो मैरिज।

अब आप सुनना नहीं चाहते हैं यह भी मुझे पता है। मैंने धीमनजी (निदेशक) को कहा कि ज्यादा अंक अर्जित करना ही क्राइटेरिया नहीं होना चाहिए। इसमें और भी क्वालिटी जोड़िए। आप सबको बहुत-बहुत बधाई।

'चढ़ावे से तीन करोड़ चोरी हुए लवकुश का मकान सील होगा'

लवकुश का मकान सील होगा :स्वामी गोविंददेव

तमसा संकेत, एजेंसी

स्वामी गोविंददेव गिरि

अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा- जहां तक मेरा अनुमान है करीब 3 करोड़ रुपए की चोरी हुई होगी। 14 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी होने की बात गलत है।

गोविंददेव गिरि ने पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपने इस्तीफे की खबरों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा- मैंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है। इधर, अयोध्या विकास प्राधिकरण ने चढ़ावा चोरी के आरोपी लवकुश मिश्रा के निर्माणाधीन मकान पर अंतिम नोटिस चस्पा कर दिया है। ADA ने इससे पहले 3 जुलाई को नोटिस दी थी, लेकिन लवकुश की पत्नी सुप्रिया मिश्रा ने कोई जवाब नहीं दिया।

अब प्राधिकरण ने 15 जुलाई तक का अंतिम अवसर दिया है। एडीए ने चेतावनी दी है कि अगर जवाब नहीं मिला तो निर्माणाधीन मकान को सील कर दिया जाएगा।

पुलिस ने आरोपी रमाशंकर मिश्रा और रिटायर्ड बैंक कर्मी सुभाष श्रीवास्तव को 14 घंटे के लिए रिमांड पर लिया है। पुलिस ने कोर्ट से 7 दिन की रिमांड मांगी थी। बुधवार सुबह दोनों आरोपियों को जेल से बाहर लाकर पूछताछ की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट से पूर्व महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र का नाम हटा दिया गया है। इससे पहले दोनों की VIP पास आईडी भी ब्लॉक कर दी गई थी।

फास्ट न्यूज

आंगन में सो रहे परिवार पर गिरी दीवार

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ के कोहंडौर थाना क्षेत्र के मदुरै रानीगंज गांव में मंगलवार देर रात एक बजे बड़ा हादसा हो गया। बिजली कटौती के कारण आंगन में सो रहे एक परिवार पर कच्ची दीवार गिर गई। इस हादसे में गृहस्वामी विजय जायसवाल, उनकी पत्नी और दो बच्चों सहित कुल चार लोग घायल हो गए। गर्मी और बिजली न होने की वजह से परिवार आंगन में सो रहा था। इसी दौरान अचानक जर्जर दीवार ढह गई, जिससे पूरा परिवार मलबे में दब गया।

अभिलेख सत्यापन की अंतिम तिथि को बढ़ाया

लखनऊ। सचिव, संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद संजीव कुमार सिंह ने बताया कि छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए और अभ्यर्थियों को एक अंतिम अवसर प्रदान करने के दृष्टिगत, अभिलेख सत्यापन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है। अब अभ्यर्थी 15 जुलाई 2026 की सायं 6:00 बजे तक अपने आवंटित सहायता केंद्र पर उपस्थित होकर अभिलेख सत्यापन की कार्यवाही को अनिवार्य रूप से पूर्ण करा सकते हैं। 07 जुलाई 2026 से प्रारम्भ द्वितीय चरण की काउंसिलिंग द्वारा संस्था अथवा पाठ्यक्रम का आवंटन पाने वाले अभ्यर्थियों के अभिलेख सत्यापन की कार्यवाही सहायता केन्द्रों के माध्यम से 14 जुलाई 2026 तक सम्पन्न करायी जानी थी।

होर्डिंग विवाद पर सपा का हंगामा

बाराबंकी । बाराबंकी शहर में समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुस्लिम टोपी में दर्शाने वाले विवादित होर्डिंग को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। मंगलवार सुबह होर्डिंग हटाए जाने के बाद दोपहर 4:15 बजे सपा कार्यकर्ताओं ने नगर कोतवाली का घेराव कर प्रदर्शन किया।

बाराबंकी में डीएम ने किया सड़क परियोजनाओं का निरीक्षण

अतिक्रमण हटाने, गुणवत्तापूर्ण कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने मंगलवार शाम 6:00 बजे नगर क्षेत्र में चल रही विभिन्न सड़क निर्माण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। इस दौरान मॉडल सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग-28 के चौड़ीकरण और आरसीसी डिवाइडर निर्माण सहित कई परियोजनाओं का निरीक्षण किया गया।

बस स्टैंड से जनेश्मा महाविद्यालय होते हुए रेलवे स्टेशन तक विकसित की जा रही मॉडल सड़क पर दोबारा हुए अवैध अतिक्रमण पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए।

डीएम ने शेष निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा कराने को कहा। उन्होंने वृक्षों के पातन और बिजली के पोल शिफ्टिंग में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। मॉडल सड़क पर डेकोरेटिव स्ट्रीट लाइट, फुटपाथ, नाली और अन्य कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने पर जोर दिया गया। इसके बाद, डीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग-28 पर लखनऊ-बाराबंकी-गोरखपुर-मोकामा मार्ग के चौड़ीकरण एवं आरसीसी डिवाइडर निर्माण परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने असेनी तिराहा से राष्ट्रीय राजमार्ग-27 तक सड़क चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण परियोजना का भी जायजा लिया। डीएम ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को विभागीय समन्वय के साथ लंबित बाधाओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने पर बल दिया।

जिलाधिकारी ने मौके पर निर्माण सामग्री के नमूने लेकर गुणवत्ता जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

गवाह ने पहचानने से इनकार किया, 12 साल में पीड़िता की गवाही नहीं करा पाया अभियोजन

13 साल पुराने पर्स लूटकांड में दोनों आरोपी हुए बरी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस में 2013 में महिला से पर्स लूट के चर्चित मामले में 13 साल बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने दोनों आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। अदालत ने माना कि प्रॉसीक्यूशन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

मामले में न तो पीड़िता की गवाही कराई गई और न ही एकमात्र पुलिस गवाह अदालत में आरोपियों की पहचान कर सका।

रिकॉर्ड के अनुसार, 27 अक्टूबर 2013 की शाम करीब 6:50 बजे नूतन श्रीवास्तव सिविल लाइंस से रिक्शे से अपने घर जा रही थीं। आरोप था कि सिविल लाइंस थाने से कुछ दूरी पर बाइक सवार दो युवकों ने चलती रिक्शा से उनका पर्स छीन लिया। पर्स में करीब 20 हजार रुपये नकद, नए कपड़े, बैंक ऑफ बड़ौदा के दो एटीएम कार्ड और एक सैमसंग मोबाइल फोन था। घटना के बाद सिविल लाइंस थाने में अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने विपिन कुमार शुक्ला और वैभव सिंह को आरोपी बनाते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 392 के तहत आरोपपत्र अदालत में दाखिल किया। 2014 में दोनों आरोपियों पर आरोप तय किए गए, लेकिन उन्होंने खुद को निर्दोष बताते हुए मुकदमे की सुनवाई की मांग की।

12 साल में सिर्फ एक गवाह की गवाही

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि आरोप तय होने के बाद करीब 12 वर्ष बीत जाने के बावजूद प्रॉसीक्यूशन पक्ष केवल एक पुलिस गवाह कांस्टेबल ओम प्रकाश शुक्ला की ही गवाही करा सका। बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद अन्य गवाह विशेषकर पीड़िता को अदालत में पेश नहीं किया गया। इसके बाद 22 जून 2026 को प्रॉसीक्यूशन साक्ष्य बंद कर दिया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस गवाह ने मुख्य परीक्षा में गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई का उल्लेख किया, लेकिन जिरह में उसने कई महत्वपूर्ण तथ्यों से अनभिज्ञता जताई। गवाह ने अदालत में स्वीकार किया कि वह आरोपियों को देखकर पहचान नहीं सकता, उसके सामने इस मुकदमे का कोई माल बरामद नहीं हुआ था और उसे यह भी याद नहीं कि आरोपियों को कहां से गिरफ्तार किया गया था।

बेटे की तलाश में दर-दर भटक रहा परिवार मुख्यमंत्री से लेकर विदेश राज्य मंत्री तक लगाई गुहार

दो महीने से सऊदी में लापता है बाराबंकी का युवक

- अधिकारियों के चक्कर काट रहा परिवार
- दो महीने से इंतजार, हर फोन कॉल पर टिकी रहती हैं निगाहें
- परिवार ने सरकार से लगाई मानवीय सहायता की गुहार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रोज़गार की तलाश में सऊदी अरब गए बाराबंकी के एक युवक का पिछले दो महीने से कोई सुराग नहीं लग पाया है। मोबाइल फोन बंद होने के कारण परिजनों का उससे संपर्क पूरी तरह टूट गया है। बेटे की सलामती को लेकर चिंतित परिवार प्रशासन से लेकर केंद्र सरकार तक गुहार लगा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। अनिश्चितता के बीच परिवार हर दिन बेटे की सुरक्षित वापसी की उम्मीद लगाए बैठा है।

रामनगर थाना क्षेत्र के सरसवां गांव निवासी शब्बीर करीब डेढ़ वर्ष पहले एक एजेंट के माध्यम से सऊदी अरब की अल करद प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने गया था। परिवार के अनुसार, वह नियमित रूप से फोन कर अपने हालचाल और कामकाज की जानकारी देता था। लेकिन 8 मई 2026 की शाम हुई बातचीत के बाद से उसका मोबाइल फोन बंद हो गया और उसके बाद से परिवार का उससे कोई संपर्क नहीं हो पाया।

बेटे की तलाश में परेशान पिता मुसीबत लगातार प्रशासनिक अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं। उन्होंने कई बार जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की। जब स्थानीय स्तर पर कोई समाधान नहीं मिला तो उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को भी पत्र भेजकर बेटे का पता लगाने और उसे सकुशल भारत वापस लाने की गुहार लगाई।

परिवार का कहना है कि पिछले दो महीने से घर का माहौल पूरी तरह बदल गया है। हर फोन की घंटी पर उन्हें उम्मीद होती है कि शायद शब्बीर का कोई संदेश या कॉल होगा, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगती है। घर के सभी सदस्य उसकी सलामती को लेकर चिंतित हैं और अनहोनी की आशंका से सहमे हुए हैं।

> **"परिजनों ने केंद्र और प्रदेश सरकार से अपील की है कि भारतीय दूतावास और संबंधित एजेंसियों के माध्यम से शब्बीर का जल्द से जल्द पता लगाया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी प्रयास किए जाएं तो बेटे की सुरक्षित वापसी संभव हो सकती है। परिवार ने मामले में शीघ्र कार्रवाई कर उन्हें राहत दिलाने की मांग की है।**

एजेंट से भी नहीं मिली संतोषजनक जानकारी

जब कई दिनों तक शब्बीर का कोई फोन नहीं आया तो परिजन उसकी जानकारी लेने के लिए फतेहपुर थाना क्षेत्र के कटका गांव निवासी एजेंट अली अहमद के घर पहुंचे। परिवार का आरोप है कि एजेंट और उसकी पत्नी ने युवक के बारे में कोई स्पष्ट या संतोषजनक जानकारी नहीं दी। इससे परिवार की चिंता और बढ़ गई।

महिला श्रम बल भागीदारी सेल के गठन हेतु आयोजित किया अंतर-विभागीय संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन ने आज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अंतर-विभागीय संवाद का आयोजन किया। इस बैठक में 12 विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों तथा विकास सहयोगियों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) श्री मनोज कुमार सिंह ने की।

यह पहल 9 जून 2026 को स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन एवं IPE Global Limited के बीच हुए (MoU) का हिस्सा है। इस साझेदारी का उद्देश्य वर्ष 2030 तक उत्तर प्रदेश की युवतियों एवं महिलाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास तथा आर्थिक अवसरों को सशक्त बनाना है। इसी क्रम में थ्स्थ्् सेल की स्थापना को एक महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में Female Labour Force Participation दर (FLFPR) वर्ष 2017-18 में 13.5 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 32.4 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि विकसित उत्तर प्रदेश /2047 के लक्ष्य के अनुरूप इस भागीदारी को 50 प्रतिशत तक ले जाने के लिए थ्स्थ्् सेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस सेल का कार्य चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित

- विभिन्न विभागों के बीच समन्वय तथा राज्य थ्स्थ्् कार्ययोजना का निर्माण।
- कौशल विकास, रोजगार एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को बढ़ावा देना।
  निजी क्षेत्र के साथ सहभागिता बढ़ाते हुए महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना।
- महिलाओं के लिए सुरक्षित आवास एवं परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करना तथा डेटा आधारित निगरानी प्रणाली विकसित करना।

आरोप : परिजनों ने अंतिम संस्कार रोका, मुकदमा खत्म करने के आश्वासन पर माने परिजन

फर्जी मुकदमे की खबर से महिला की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के लोनीकटरा थाना क्षेत्र के खैरा वीरू गांव में मंगलवार को एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। परिजनों का आरोप है कि परिवार के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जानकारी मिलने के बाद महिला की तबीयत बिगड़ी और बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए तैयार हुए। वहीं पुलिस का कहना है कि महिला पहले से हृदय रोग से पीड़ित थीं और उनका उपचार चल रहा था।

खैरा वीरू गांव निवासी सियारानी (पत्नी रामनाथ) के परिजनों का आरोप है कि परिवार के आठ लोगों, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है, के खिलाफ दर्ज मुकदमे की जानकारी मिलने के बाद महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि वे कथित फर्जी मुकदमा समाप्त करने की मांग को लेकर शव का अंतिम संस्कार नहीं कर रहे थे।

सूचना पर लोनीकटरा थाना प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु मल्ल मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत की।

मृतक सियारानी

थाना प्रभारी अभिमन्यु मल्ल ने बताया महिला पहले से हृदय रोग से पीड़ित थीं और उनका इलाज चल रहा था। अचानक हार्ट अटैक आने से उनकी मृत्यु हुई। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के प्रकरण में प्राप्त तथ्यों के आधार पर नियमानुसार जांच और आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो दिन पहले दर्ज हुए थे दोनों पक्षों के मुकदमे

मामला दो दिन पहले दर्ज हुए क्रॉस केस से जुड़ा है। 10 जुलाई को मृतका की देवरानी मालती ने नीरज के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके अगले दिन नीरज ने भी अपनी पत्नी के साथ थाने पहुंचकर मालती, सियारानी और अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

सरकारी 65 लाख रुपये के गबन में लीपापोती

प्रयागराज । प्रयागराज के एनसीआर सूबेदारगंज डाकघर से 65 लाख रुपये गायब होने का मामला लीपापोती की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। 56 दिन बीत चुके हैं, लेकिन जांच अब भी वहीं की वहीं है। न गायब रकम का पता चल सका है, न इस मामले में एफआईआर दर्ज हुई। न ही डाक विभाग की विभागीय जांच पूरी हो सकी है। कार्रवाई में लगातार हो रही देरी ने पूरे प्रकरण पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी बड़ी रकम गायब होने के बावजूद धूमनगंज थाने में अब तक मुकदमा दर्ज नहीं हो सका है।

डाक विभाग ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन पुलिस उच्चाधिकारियों की अनुमति का हवाला दे रही है। दूसरी ओर विभाग का कहना है कि उसने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है।

डाक विभाग ने मामले की जांच के लिए दो सदस्यीय समिति गठित की थी, लेकिन 56 दिन बाद भी जांच पूरी नहीं हुई।

जेसीआई की जिलास्तरीय कार्यकारिणी का हुआ गठन

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार जनर्लिस्ट कॉउन्सिल ऑफ इंडिया (रजि.) बाराबंकी के कुरुक्षेत्र धाम महादेवा में अयोध्या मंडल अध्यक्ष बी. त्रिपाठी एड0 की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई इस दौरान जिला स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया ।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री त्रिपाठी ने कहा कि पत्रकारों के सामने आज काफी चुनौतियां हैं जिसके लिए एक मजबूत संगठन की नितांत आवश्यकता है इसी परिपेक्ष में विचार विमर्श के बाद अंततः जनपद बाराबंकी की जिलास्तरीय कार्यकारणी का गठन किया गया है जिसमें सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष दिनेश कुमार तिवारी , जिला महासचिव संतोष कुमार , जिला सचिव रजनीश सिंह , कृष्ण कुमार शुक्ला, जिला प्रवक्ता डॉ संजय तिवारी, संगठन मंत्री व जिला कोषाध्यक्ष उदय प्रकाश जैन मनोनीत किए गए हैं।

बाराबंकी में संगठन को मजबूत करने के लिए और पत्रकारों की समस्याओं का निस्तारण करने के उद्देश्य से जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया (रजि०) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० अनुराग सक्सेना जी व राष्ट्रीय संयोजक डॉ आर.सी. श्रीवास्तव जी की अनुशंसा पर उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले की कार्यकारिणी का गठन किया गया तथा संगठन आशा करता है कि आप पत्रकार हितार्थ कार्यो मे हमेशा पत्रकारों के साथ कदम मिलाकर चलेंगे। इस अवसर पर जनपद की तहसील रामनगर के अंजनी कुमार अवस्थी को तहसील अध्यक्ष ,तहसील उपाध्यक्ष विशाल कुमार अवस्थी व तहसील सचिव विवेक कुमार शुक्ला मनोनीत किए गए । इसके अतिरिक्त पत्रकार बंधु ललित कुमार पाण्डेय , उमेश चन्द्र तिवारी आदि उपस्थित रहे।

अशोक सिंह बने जिलाध्यक्ष

अपराध पर सख्त नजर, फैसलों में तेजी

आईपीएस प्राची सिंह की कार्यशैली ने बनाई अलग पहचान

चर्चा

- शिक्षा से प्रशासन तक का सफर
- महिला सुरक्षा और जनता से संवाद पर फोकस
- वर्दी के साथ फिटनेस और साहसिक रुचियां भी कायम

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकर नगर। सख्त फैसले, अनुशासित कार्यप्रणाली और कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए पहचानी जाने वाली आईपीएस प्राची सिंह इन दिनों अंबेडकर नगर की पुलिस अधीक्षक के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही हैं। पुलिस सेवा में अपने काम करने के तरीके से उन्होंने अलग पहचान बनाई है। अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और आम लोगों की शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता देने वाली प्राची सिंह की कार्यशैली में स्पष्टता और त्वरित निर्णय प्रमुख रूप से दिखाई देते हैं।

कानपुर में जन्मीं और फतेहपुर से जुड़ी प्राची सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत आधार तैयार किया। उनके पिता राम सिंह गौतम पीसीएस अधिकारी रहे हैं, जबकि माता उषा सिंह शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी रही हैं।

प्रशासनिक माहौल से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एलएलबी और एलएलएम की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद यूपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर 2017 बैच में आईपीएस बनीं।

साथ ही पुलिस विभाग में अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने पर भी उनका जोर रहता है।

प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच प्राची सिंह फिटनेस को लेकर भी सक्रिय रहती हैं। घुड़सवारी और पैराग्लाइडिंग जैसी साहसिक गतिविधियों में उनकी रुचि उनके व्यक्तित्व के दूसरे पहलू को सामने लाती है। आईपीएस प्राची सिंह की पहचान एक ऐसी अधिकारी के रूप में बनी है, जो अनुशासन, निर्णय क्षमता और कानून के पालन को अपनी पुलिसिंग का आधार मानती हैं।

अंबेडकर नगर में नई जिम्मेदारी, नई चुनौतियां

पुलिस अधीक्षक के रूप में अंबेडकर नगर की जिम्मेदारी संभालने के बाद प्राची सिंह के सामने साइबर अपराध, कानून व्यवस्था और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने जैसी चुनौतियां हैं।

जिले में बेहतर पुलिसिंग, अपराध पर नियंत्रण और आम नागरिकों को प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

कानून व्यवस्था में सख्ती बनी पहचान

पुलिस सेवा के दौरान प्राची सिंह ने कई जिलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। सिद्धार्थनगर, लखनऊ और श्रावस्ती में तैनाती के दौरान अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को लेकर उनके काम की चर्चा रही। उनकी कार्यशैली में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर विशेष ध्यान रहा है। वह मामलों में तथ्यों और कानून के आधार पर निर्णय लेने पर जोर देती हैं।

पुलिस प्रशासन में महिला सुरक्षा को लेकर प्रभावी कार्रवाई और शिकायतों के निस्तारण को वह महत्वपूर्ण मानती हैं। आम लोगों की समस्याओं को सुनकर समाधान की दिशा में काम करना उनकी कार्यप्रणाली का हिस्सा है।

सुरक्षित कार्य और स्वच्छता अभियान को लेकर दिया गया संदेश

शहर को स्वच्छ रखने वाले हाथों का सम्मान

सुरक्षा उपकरणों के नियमित उपयोग पर दिया गया जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने में जुटे स्वच्छता मित्रों के सम्मान में नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने मंगलवार को 'नमस्ते डे सेलिब्रेशन' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यालय सभागार में हुए समारोह में स्वच्छता मित्रों को सम्मानित करने के साथ उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) किट भी वितरित की गई।

कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी राजमणि, अवर अभियंता (जलकल) शैलेंद्र सिंह और अर्बन विशेषज्ञ रवि उपाध्याय ने स्वच्छता मित्रों का सम्मान किया। अधिकारियों ने कहा कि नगर की साफ-सफाई बनाए रखने में स्वच्छता मित्र सबसे अहम कड़ी हैं। उनके निरंतर प्रयासों से शहर की स्वच्छता व्यवस्था सुचारु बनी रहती है।

कार्यक्रम में रवींद्र, संजीव, इलियास, अनीश और जुगनू को सम्मानित किया गया। सभी को सम्मान स्वरूप PPE किट प्रदान की गई, ताकि वे अपने दैनिक कार्यों के दौरान आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन कर सकें।

कार्यक्रम में प्रधान लिपिक अनूप सोनकर, स्वच्छता प्रभारी इसराइल, स्वच्छ भारत मिशन प्रभारी जसवंत सिंह यादव, आशीष शुक्ला सहित नगर पालिका परिषद के अधिकारी, कर्मचारी और स्वच्छता मित्र उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान स्वच्छता मित्रों को कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन करने की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि सफाई कार्य के दौरान PPE किट और अन्य सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग आवश्यक है। इससे कार्य के दौरान संभावित जोखिम को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही स्वच्छता मित्रों से लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और नगर को साफ-सुथरा बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

फास्ट न्यूज

मिशन शक्ति की पहल से सुलझे दो पारिवारिक विवाद

अंबेडकर नगर। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत जिले में पारिवारिक विवादों के समाधान के लिए काउंसिलिंग की जा रही है। इसी क्रम में अकबरपुर और कटका थाना क्षेत्र में प्राप्त पति-पत्नी के विवाद संबंधी दो प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। मिशन शक्ति केंद्र की पुलिस टीम ने दोनों पक्षों को बुलाकर आपसी संवाद कराया।

रुद्र प्रताप सिंह बने राष्ट्रीय सनातन संघ के जिलाध्यक्ष

न्यौरी, अंबेडकर नगर। राष्ट्रीय सनातन संघ ने संगठन विस्तार को गति देते हुए आलापुर तहसील क्षेत्र के आमादरवेशपुर निवासी रुद्र प्रताप सिंह को अंबेडकर नगर का जिलाध्यक्ष नामित किया है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया पांडेय की अनुमति और प्रदेश अध्यक्ष नागेश्वर सिंह की संस्तुति पर यह मनोनयन किया गया। संगठन की ओर से रुद्र प्रताप सिंह से जिले में संगठन को मजबूत करने, एकता बनाए रखने और धर्म एवं समाज हित से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई है।

चौहान की बस्ती में बच्चों ने संभाली सड़क सुरक्षा की कमान

जलालपुर, अंबेडकर नगर। विकास खंड भियांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय चौहान की बस्ती में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

अब जांच के बाद ही किसानों को मिलेंगे कृषि निवेश

बिना सहमति किसानों को नहीं दिया जाएगा कोई सामान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। गन्ना किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि निवेश उपलब्ध कराने के लिए चीनी मिलों की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब चीनी मिलों की ओर से किसानों को दिए जाने वाले उर्वरक, जैव उर्वरक, सूक्ष्म पोषक तत्व, फसल सुरक्षा रसायन और अन्य कृषि निवेश निर्धारित गुणवत्ता मानकों की जांच के बाद ही उपलब्ध कराए जाएंगे।

जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग के निर्देश पर यह व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य किसानों को प्रमाणित कृषि निवेश उपलब्ध कराना, गन्ना उत्पादन बढ़ाना और खेती को वैज्ञानिक आधार देना है।

नई व्यवस्था के तहत उर्वरक, सूक्ष्म पोषक तत्व और कीटनाशकों के प्रत्येक बैच का परीक्षण NABL मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से कराना अनिवार्य होगा। जांच में मानक पूरा करने वाले कृषि निवेश ही किसानों तक पहुंचाए जाएंगे।

इसके अलावा भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित पेस्टीसाइड्स का वितरण पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। चीनी मिलों को इफको, कृभको और यूपीएसआरआई जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से गुणवत्तायुक्त कृषि निवेश खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी किसान को उसकी मांग और सहमति के बिना कृषि निवेश उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।

बीबीपुर में आधी रात चला अभियान, खनन टीम से भिड़ने और वाहन छुड़ाने का आरोप

नहर की सिल्ट से अवैध कमाई का खेल उजागर

प्रशासन ने दबोची जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्राली

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। बसखारी थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव में नहर की सिल्ट के अवैध खनन पर प्रशासन ने देर रात बड़ी कार्रवाई की। शिकायत पर पहुंची खनन विभाग की टीम ने मौके से जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लिया। कार्रवाई के दौरान टीम के साथ विरोध, सरकारी कार्य में बाधा और वाहन छुड़ाने के प्रयास का आरोप लगाया गया है।

13 जुलाई की रात अवैध खनन की सूचना मिलने पर खनन अधिकारी कमलेश साहू टीम के साथ बीबीपुर स्थित नहर पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान मौके पर जेसीबी संख्या यूपी45 एटी 2457 और कई ट्रैक्टर-ट्रालियों से नहर की सिल्ट निकालकर ले जाने का मामला सामने आया। टीम को देखते ही वाहन चालक मौके से भागने लगे। कार्रवाई करते हुए टीम ने एक ट्रैक्टर-ट्राली को पकड़ लिया। इसके बाद पीछा कर करीब 30 मिनट बाद जेसीबी मशीन को भी कब्जे में ले लिया गया। अन्य वाहन मौके से निकल गए। खनन विभाग की टीम पकड़े गए वाहनों को बसखारी थाने ले जा रही थी। इसी दौरान ग्राम मसड़ा के पास 8 से 10 लोगों ने रास्ता रोक लिया। तहरीर के मुताबिक, आरोपितों ने टीम के साथ अभद्रता की और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई।

आरोप है कि इसी दौरान एक ट्रैक्टर-ट्राली को छुड़ाकर ले जाया गया। टीम ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई।

पूछताछ में जेसीबी चालक ने अपना नाम रंगीला निवासी सुलेमपुर परसावा, थाना टांडा बताया। वहीं जेसीबी वाहन स्वामी का नाम कप्तान सिंह निवासी दशरैचा, थाना बसखारी बताया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जेसीबी चालक, वाहन स्वामी और 8 से 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली-2021, खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम-1957 और भारतीय न्याय संहिता-2023 की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

मोहम्मद शारिक की स्मृति में लगाए गए पौधे

शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकर नगर। स्वर्गीय मोहम्मद शारिक की तृतीय पुण्यतिथि पर मौलाना आजाद गर्ल्स इंटर कॉलेज, जलालपुर में श्रद्धांजलि सभा और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए विद्यालय परिसर में फलदार और छायादार पौधे लगाए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक मौलाना मोहम्मद खालिद कासमी ने पौधारोपण कर किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण और पौधों की देखभाल का संदेश दिया। विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधों के माध्यम से हरियाली बढ़ाने की पहल की गई। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने मोहम्मद शारिक के जीवन से जुड़े सामाजिक कार्यों और शिक्षा के प्रति उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि समाज हित में किए गए कार्य लोगों के लिए प्रेरणा का माध्यम बनते हैं।

विद्यालय की प्रधानाचार्या गुलिस्तां अंजुम ने छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी जरूरी है। उन्होंने छात्राओं से अपने आसपास स्वच्छ और हरित वातावरण बनाने में सहयोग करने की अपील की।

पिता के निधन से थमी पढ़ाई की चिंता

नंदिनी की शिक्षा का जिम्मा उठाने आगे आए विवेक मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। कैंसर से पिता के निधन के बाद आर्थिक संकट से जूझ रहे एक परिवार की बेटी की पढ़ाई अब नहीं रुकेगी। अकबरपुर विधानसभा क्षेत्र के सिझौली गांव की छात्रा नंदिनी प्रजापति की शिक्षा का खर्च भाजपा नेता और नारायण फाउंडेशन के संरक्षक विवेक मौर्य ने उठाने की घोषणा की है। इसके साथ ही छात्रा की एक वर्ष की फीस भी जमा करा दी गई है।

जानकारी के अनुसार, सिझौली निवासी राकेश कुमार प्रजापति का हाल ही में कैंसर के कारण निधन हो गया। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। उनके निधन के बाद पत्नी कुसुम, बेटी नंदिनी और छोटे बेटे के सामने आर्थिक कठिनाइयां खड़ी हो गईं। ऐसे में इंटर की छात्रा नंदिनी की पढ़ाई प्रभावित होने की स्थिति बन गई थी। परिवार की जानकारी मिलने पर विवेक मौर्य सिझौली पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नंदिनी की शिक्षा जारी रखने का निर्णय लिया। अगले ही दिन अकबरपुर के सैनिक इंटर कॉलेज में छात्रा की प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी कराते हुए एक वर्ष की फीस जमा कराई गई। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आर्थिक अभाव के कारण उसकी पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाएगी। नंदिनी की शिक्षा की जिम्मेदारी लेने की इस पहल को परिवार के लिए महत्वपूर्ण सहयोग माना जा रहा है।

सिझौली की इंटर की छात्रा की एक साल की फीस कराई जमा, आर्थिक संकट के बीच मिला शिक्षा का सहारा

जरूरतमंद परिवारों के सहयोग का सिलसिला जारी

नारायण फाउंडेशन के माध्यम से जिले में शिक्षा और सामाजिक सहयोग से जुड़े कई कार्यक्रम संचालित किए जाते रहे हैं। संस्था की ओर से पहले भी जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक और गृह उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई गई है। अकबरपुर में आयोजित सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में 21 जोड़ों का विवाह भी कराया गया था।

शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के क्षेत्र में चल रहे अभियान

संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों पर भी काम कर रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए निशुल्क ठहरने, भोजन और परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत जिले में जूट के बैग वितरित किए जा रहे हैं।

सड़क सुरक्षा का संदेश लेकर सड़कों पर उतरे छात्र

जिला प्रशासन और आईआईटी मद्रास के सहयोग से अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन अंबेडकर नगर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रोड सेफ्टी (CoERS), आईआईटी मद्रास के सहयोग से मंगलवार को जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने पदयात्रा निकालकर सुरक्षित यातायात का संदेश आम लोगों तक पहुंचाया। कलेक्ट्रेट परिसर से शुरू हुई सड़क सुरक्षा पदयात्रा पटेल नगर तक पहुंची। इसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के करीब 1500 से 2000 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। छात्रों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लेकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

पदयात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। अधिकारियों और शिक्षकों ने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

ब्रेनसीड इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों से संवाद

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत ब्रेनसीड इंटरनेशनल स्कूल में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें CoERS, आईआईटी मद्रास के विशेषज्ञों और यातायात प्रभारी जय बहादुर यादव ने विद्यार्थियों को सुरक्षित सड़क व्यवहार की जानकारी दी।

कार्यक्रम में छात्रों के साथ संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों के सवालों के जवाब देते हुए सड़क सुरक्षा से जुड़े व्यवहारिक पहलुओं को समझाया गया। जागरूकता वीडियो के माध्यम से यातायात नियमों और सुरक्षित आदतों की जानकारी भी दी गई।

न्योतरिया बाइपास पर ट्रेलर से भिड़ा ई-रिक्शा, चालक की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

- दोपहर तीन बजे हुआ हादसा, चीख-पुकार के बीच पहुंची पुलिस जिला अस्पताल में घायलों का उपचार जारी

अंबेडकर नगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के न्योतरिया बाइपास पर मंगलवार दोपहर हुए भीषण सड़क हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रेलर और ई-रिक्शा की आमने-सामने हुई टक्कर में सात यात्री घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

बताया गया कि हादसा मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे न्योतरिया बाइपास पर हुआ। ई-रिक्शा और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के बाद ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बेवाना थाना क्षेत्र के सिवरानाली निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है।

दुर्घटना के समय ई-रिक्शा में कई यात्री मौजूद थे। हादसे में ज्योति, तीन वर्षीय अभिराज, प्रवीण बानों, मुहम्मद हुसैन, नूर सबा, रब्बानी फातिमा और सुभानी घायल हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज जारी है।

अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

कार्यक्रम : अवसाद सिर्फ उदासी नहीं, सिरदर्द, थकान और बेचैनी भी हो सकते हैं संकेत

एमआरए मेडिकल कॉलेज में मानसिक रोग विभाग का जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एमआरए मेडिकल कॉलेज, अंबेडकर नगर के मानसिक रोग विभाग की ओर से मंगलवार को जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मरीजों और उनके तीमारदारों को अवसाद और चिंता विकार के लक्षण, उपचार और सावधानियों की जानकारी दी गई।

मानसिक रोग विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पारूल यादव, सहायक आचार्य डॉ. सुधांशु चंदेल, सीनियर रेजिडेंट डॉ. पृथ्वी नाथ सिंह और डॉ. प्रियंका यादव ने बताया कि अवसाद और चिंता वर्तमान समय की सबसे सामान्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में शामिल हैं। समय पर पहचान और नियमित इलाज से अधिकांश मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। डॉ. पारूल यादव ने बताया कि अवसाद के मरीज हमेशा उदास दिखाई दें, ऐसा जरूरी नहीं है। कई मरीज लगातार सिरदर्द, शरीर में दर्द, थकान, नींद की समस्या, चिड़चिड़ापन और घबराहट जैसी शिकायतों के साथ अस्पताल पहुंचते हैं।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी आम भ्रांतियों पर भी चर्चा की। मरीजों और उनके परिजनों को बताया गया कि समय पर पहचान, नियमित उपचार और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने से मानसिक रोगों का प्रभावी प्रबंधन संभव है।

मानसिक रोग भी अन्य बीमारियों की तरह वास्तविक

विशेषज्ञों ने कहा कि मानसिक बीमारियां भी ब्लड प्रेशर, मधुमेह, त्वचा रोग और मिर्गी की तरह चिकित्सकीय स्थितियां हैं। इन्हें कमजोरी, इच्छाशक्ति की कमी या चरित्र से जोड़ना गलत है। उन्होंने बताया कि उपचार केवल दवाओं तक सीमित नहीं होता। बेहतर परिणाम के लिए तनाव पर नियंत्रण, पर्याप्त नींद, नियमित दिनचर्या और परिवार का सहयोग भी जरूरी है।

बीच में इलाज रोकना पड़ सकता है भारी

विशेषज्ञों ने बताया कि मानसिक रोगों की दवा बिना चिकित्सकीय सलाह के अचानक बंद करना नुकसानदायक हो सकता है। इससे बीमारी दोबारा उभर सकती है और लक्षण पहले से अधिक गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दवा लेने के बावजूद यदि तनाव, नींद की कमी या पारिवारिक और सामाजिक दबाव बढ़ जाए तो लक्षण दोबारा उभर सकते हैं। ऐसी स्थिति में उपचार छोड़ने के बजाय चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

लखनऊ में कांग्रेस का दो दिवसीय मंथन आज से

संगठन और राजनीतिक रणनीति पर होगी चर्चा

- राजेंद्र पाल गौतम की मौजूदगी में प्रदेश मुख्यालय पर होंगी बैठकें, संगठन को मजबूत करने पर रहेगा फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम के लखनऊ आगमन पर 15 और 16 जुलाई को प्रदेश मुख्यालय में दो दिवसीय सांगठनिक बैठकों और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बैठकों में प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य, संगठन की मजबूती और आगामी जन-सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी। पार्टी पदाधिकारियों के साथ संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी मंथन किया जाएगा।

कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रभारी संजय तिवारी ने बताया कि दोनों दिनों के कार्यक्रमों में प्रदेश स्तर के पदाधिकारी और संगठन से जुड़े जिम्मेदार कार्यकर्ता शामिल होंगे। पार्टी की ओर से इन बैठकों को आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सम्पादकीय

समाधान की पहल

सुप्रीम कोर्ट ने विशेष लोक अदालत के माध्यम से मथुरा, वाराणसी और संभल के धार्मिक स्थल से जुड़े विवादों के सद्भावपूर्ण हल के लिए जो पहल की, वह सराहनीय है। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि समाधान नामक इस पहल के जरिये मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद, वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर और संभल की जामा मस्जिद-कल्कि मंदिर संबंधी विवादों को आपसी सहमति से सुलझाने की कोई राह निकल सके। एक समय अयोध्या विवाद का समाधान भी आपसी सहमति से निकालने के लिए कई स्तरों पर प्रयत्न किए गए थे-पहले नेताओं की ओर से, फिर इस मामले से जुड़े दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों की ओर से और अंत में सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी, लेकिन एक पक्ष के अड़ियल रवैये के कारण किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सका। बाद में सदियों पुराने इस विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना निर्णय मंदिर के पक्ष में दिया।

यह बात और है कि मस्जिद पक्ष के कुछ लोगों को यह फैसला रास नहीं आया और वे अभी भी उसके विरुद्ध लोगों को बहकाने-बरगलाने का काम करते रहते हैं। ऐसा ही कुछ काम धार के भोजशाला मामले में भी किया जा रहा है। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने हाल में भोजशाला को हिंदू मंदिर और संस्कृत शिक्षा का प्राचीन केंद्र करार दिया। मथुरा, वाराणसी और संभल के मामले सुप्रीम कोर्ट की लोक अदालत के माध्यम से तभी सुलझ पाएंगे, जब दोनों पक्ष इसके प्रति प्रतिबद्धता दिखाएंगे। चूंकि इसके बहुत आसार नहीं कि मथुरा, वाराणसी और संभल के धार्मिक स्थलों से जुड़े विवादों के मैत्रीपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्ष आगे आएंगे, इसलिए सुप्रीम कोर्ट को इसके लिए भी तैयार रहना चाहिए कि इन विवादों का यथाशीघ्र हल उच्चतर न्यायपालिका के स्तर पर हो। बेहतर होगा कि सुप्रीम कोर्ट 1991 के पूजास्थल कानून को चुनौती देनी वाली याचिकाओं का भी निपटारा करे, क्योंकि यह कानून न्याय के नैसर्गिक सिद्धांतों का निरादर करता है। यह विवादों को भूलने की बात करता है, जो संभव नहीं। उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट मथुरा, वाराणसी और संभल के धार्मिक स्थलों के साथ ऐसे ही अन्य विवादों के हल के लिए ऐसे किसी आयोग का गठन करे, जो यह पता लगाए कि किन स्थानों पर किसी धार्मिक स्थल को ध्वस्त कर अन्य धार्मिक स्थल जबरन निर्मित किए गए। निःसंदेह इतिहास को बदला नहीं जा सकता, लेकिन उसकी उन भूलों को सुधारा अवश्य जा सकता है, जो पुराने घावों की तरह टीस देती रहती हैं। विश्व के कई देशों ने ऐतिहासिक अन्याय को उजागर करने और आक्रांताओं के कृत्यों की पहचान करने एवं पीड़ितों को राहत देने के लिए सत्य एवं सुलह आयोग गठित किए हैं। भारत को भी ऐसा ही करना चाहिए।

राजस्थानी संस्कृति के अमर साधक के. सी. मालू

एक युग का अवसान एक विरासत का अमरत्व

> के.सी. मालू की दृष्टि केवल संगीत तक सीमित नहीं थी। वे राजस्थानी भाषा के भी प्रखर प्रहरी थे। उनका मानना था कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि वह किसी समाज की आत्मा और उसकी सांस्कृतिक स्मृति होती है।

कुछ व्यक्तित्व केवल अपने जीवनकाल तक सीमित नहीं रहते, वे अपने समय की सांस्कृतिक चेतना बन जाते हैं। उनके जाने के बाद भी उनकी साधना समाज की स्मृतियों, संस्कारों और परंपराओं में जीवित रहती है। राजस्थानी लोकसंगीत, भाषा, साहित्य और संस्कृति के ऐसे ही युगपुरुष थे केसरी चंद (के.सी.) मालू। उनका निधन केवल एक व्यक्ति का निधन नहीं है, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा के एक स्वर्णिम अध्याय का विराम है। उन्होंने अपने जीवन को जिस निष्ठा, समर्पण और तपस्वी भाव से राजस्थानी अस्मिता के संरक्षण में समर्पित किया, वह उन्हें सामान्य व्यक्तियों की श्रेणी से बहुत ऊपर स्थापित करता है। आज जब बाजारवाद और वैश्वीकरण की तेज आंधी में लोकसंस्कृतियां अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रही हैं, तब के. सी. मालू जैसे व्यक्तित्वों का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो एक अकेला व्यक्ति भी पूरी सांस्कृतिक धरोहर को विलुप्त होने से बचा सकता है। उन्होंने राजस्थानी लोकधुनों एवं लोकगीतों को केवल संग्रहित नहीं किया, बल्कि उन्हें नई पीढ़ी की धड़कनों तक पहुंचाया। उन्होंने संस्कृति को संग्रहालय की वस्तु नहीं बनने दिया, बल्कि उसे जनजीवन की सांसों से जोड़ दिया। निश्चित ही वे लोकधुनों के सजग प्रहरी थे, संस्कृतिप्रेमी एवं कला-साधक थे।

संगीत उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि संस्कृति का प्राण था। उन्होंने हजारों लोकगीतों की पांडुलिपियां तैयार करवाईं, ध्वनिलिपियां बनवाईं, उनकी रिकॉर्डिंग करवाई और उन्हें सुरक्षित रखा। बिना किसी सरकारी सहायता के पांच हजार से अधिक लोकगीतों का संरक्षण अपने आप में विश्वस्तरीय सांस्कृतिक साधना है। यह कार्य किसी संस्थान के लिए भी कठिन माना जाता है, लेकिन उन्होंने इसे अपने जीवन का मिशन बना लिया। यही कारण है कि आज राजस्थान की अनेक लोकधुनें, विवाह गीत, मांड, पणिहारी, घूमर, चिरमी और असंख्य लोकगाथाएं सुरक्षित हैं। वीणा म्यूजिक की स्थापना केवल एक व्यावसायिक संस्था की स्थापना नहीं थी, बल्कि यह राजस्थान की आत्मा को स्वर देने का अभियान था। उस दौर में जब लोककलाकार गुमनामी के अंधेरे में खो रहे थे, उन्होंने उन्हें मंच दिया, सम्मान दिया और पहचान दी। अनेक कलाकार, जिनकी प्रतिभा गांवों तक सीमित थी, उनके प्रयासों से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचे। उन्होंने सिद्ध कर दिया कि लोककला किसी क्षेत्र की सीमाओं में कैद नहीं होती, बल्कि वह पूरी मानवता की सांस्कृतिक धरोहर होती है। ऐसा प्रतीत होता है उनके जीवन की हर पात में संगीत की झंकार है। राजस्थानी संस्कृति, संगीत एवं लोकधुनों से जहां-जहां साक्षात्कार होगा, वहां-वहां के.सी. मालू के कदमों के निशान मिलेंगे। उनका मन एवं कर्म सृजनात्मक था।

राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान दिलाने के लिए उन्होंने जो संघर्ष किया, वह उनके सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं अपनी माटी के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उन्होंने देश और विदेश के अनेक मंचों पर राजस्थानी भाषा की गरिमा और उसकी समृद्ध साहित्यिक परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंचकर भी विनम्र बने रहे। उनके भीतर कलाकार का संवेदनशील हृदय, साहित्यकार की दृष्टि और समाजसेवी की आत्मीयता एक साथ दिखाई देती थी। वे जानते थे कि संस्कृति केवल पुस्तकों या मंचों से जीवित नहीं रहती, बल्कि लोगों के जीवन में उतरने से जीवित रहती है। इसलिए उन्होंने लोकसंगीत को गांवों से निकालकर शहरों तक और भारत से निकालकर विश्वभर के राजस्थानी समाज तक पहुंचाया।

वर्ष 1987 में अकाल पीड़ितों की सहायता के लिए लता मंगेशकर नाइट का आयोजन कर एक करोड़ रुपये की सहायता राशि जुटाना उनके सामाजिक दायित्वबोध का अद्भुत उदाहरण है। यह बताता है कि उनके लिए संगीत केवल कला नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम भी था। उन्होंने अपने संसाधनों और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित के लिए किया। आज जब कला का बड़ा हिस्सा केवल व्यवसाय बनता जा रहा है, तब के.सी. मालू का जीवन यह संदेश देता है कि कला का सर्वोच्च उद्देश्य समाज को समृद्ध बनाना है। उनके द्वारा संकलित 221 राजस्थानी विवाह गीतों का विशाल संग्रह विश्व में अपनी तरह का अनूठा उदाहरण है। यह केवल गीतों का संग्रह नहीं, बल्कि राजस्थान की सामाजिक परंपराओं, पारिवारिक संस्कारों और सांस्कृतिक स्मृतियों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने यह समझ लिया था कि यदि लोकगीत बचेंगे तो लोकजीवन भी बचेगा। इसलिए उन्होंने संगीत के माध्यम से संस्कृति की रक्षा का महान कार्य किया। मेरा उनसे संबंध केवल एक प्रशंसक का नहीं था, बल्कि आत्मीयता का था। मेरे पूज्य पिताजी स्व. श्री रामस्वरूप जी गर्ग जब भी जयपुर जाते थे, तो के.सी. मालू जी से अवश्य मिलते थे। दोनों के बीच साहित्य, संस्कृति, जैन दर्शन और समाज के विविध विषयों पर लंबी चर्चाएं होती थीं। उन चर्चाओं का उल्लेख मैं बचपन से सुनता आया हूं। उन संवादों में केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं होता था, बल्कि संस्कृति के भविष्य की चिंता और समाज के प्रति उत्तर-दायित्व का भाव भी दिखाई देता था। बाद में मुझे भी उनसे मिलने और उनके स्नेह का लाभ लेने का अवसर मिला। उनकी सहजता, आत्मीयता और विचारों की गहराई आज भी स्मृतियों में ताजा है। वे जब भी राजस्थान की संस्कृति की बात करते थे, उनके शब्दों में केवल जानकारी नहीं होती थी, बल्कि मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम झलकता था। वे मानते थे कि अपनी जड़ों से जुड़ा समाज ही भविष्य का निर्माण कर सकता है। शायद यही कारण था कि उन्होंने आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी परंपरा को कभी नहीं छोड़ा। उन्होंने डिजिटल माध्यमों पर भी राजस्थानी संगीत को स्थापित किया, जिससे दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाला राजस्थानी अपनी मिट्टी की सुगंध को महसूस कर सके।

ललित गर्ग

आचार की पृष्ठभूमि

आधुनिक तकनीक में कुछ भी जानकारी ढूंढ़ने के लिए उसका सबसे विश्वसनीय स्रोत गूगल ही माना जाता है । पर एक प्रश्न ऐसा है जिसका उत्तर तथाकथित गूगल देव भी नहीं दे पाता है । वह स्वयं में स्वयं को ढूंढना है । अंतर की गहराइयों तक पहुंचना यह कतई गूगल के कर्मक्षेत्र में नहीं है । इसके लिए तो स्वयं को ही स्वयं के अंतर के कुरुक्षेत्र में उतरना पड़ेगा। संभवतः इसके सिवाय गूगल बाकी के सभी प्रश्नों के उत्तर प्रायः दे देगा। व्यक्ति सदाचार के पथ पर चलता हैं । वह उच्च आचार का पालन करता हैं । वह साधु के दृष्टिकोण से आचार का पालन हो सकता हैं । श्रावकत्व के रूप में भी आचार फलित हो सकता हैं । और सामान्य व्यक्ति भी अणुव्रत आचार संहिता आदि को मानकर अथवा अपने ढंग से सदाचार का पालन कर सकता हैं ।यहां प्रश्न हैं कि आचार की पृष्ठभूमि क्या हैं ? किस भूमिका के आधार पर आचार का पालन हो सकता हैं ? आगम वाणी से हम एक आधार प्राप्त कर सकतें हैं की चारित्र, समयक्त्व विहीन नहीं हो सकता हैं । वह यदि समयक्त्व नहीं है तो सम्यक् आचार और सम्यक् चारित्र हो नहीं सकता हैं । परन्तु चारित्र के बिना समयक्त्व स्वतंत्र रूप में हो सकता हैं । समयक्त्व और चारित्र एक साथ भी हो सकते हैं अथवा पहले सम्यक्त्व और बाद में भी चारित्र हो सकता हैं । सम्यक् दर्शन, सम्यक् ज्ञान, आचार की पृष्ठभूमि मानी जा सकती हैं । भेष-भूषा साधु की हो तथा ज्ञान निष्ठा व आचार भी हो तो सबका साथ हो सकता है । नदी के दो किनारे व इस पार से उस पार जाने के लिए बीच में सेतु हैं । यह अध्यात्म का सेतु है, ज्ञान, दर्शन व चारित्र में आस्था आदि - आदि । हमारे को जानकारी होना एक बात है लेकिन आचरण में लाने के लिए उस पर हमारी आस्था का होना नितांत आवश्यक है । आचार की स्थिति बनाने के लिए ज्ञान व दर्शन दोनों हों । हमने जान लिया महाव्रतों के महत्व को पर ज्ञान को आचरण में लाने के लिए विचार-संस्कार हमारे गहरे होने की अपेक्षा भी होती है व आस्था का अडिग होना भी जरूरी है । जहां संशय की स्थिति हो वहां काम पूरा नहीं होता हैं । हम हवा बंद और मंद होने के अंतर को समझें ।

> प्रदीप छाजेड़

आचार्य श्री महाश्रमण...

ललित गर्ग

'महावीर से महाप्रज्ञ' कार्यक्रम में गूंजा अहिंसा

आचार्य श्री महाप्रज्ञ के 107वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में "महावीर से महाप्रज्ञ" विषय पर एक भव्य आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दक्षिण दिल्ली स्थित पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स में किया गया। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली एवं आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने भगवान महावीर के अहिंसा एवं आत्मसंयम के संदेश तथा आचार्य महाप्रज्ञ के प्रेक्षाध्यान, जीवन-विज्ञान और मानव एकता के दर्शन को जन-जन तक पहुँचाने का सशक्त प्रयास किया।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनिश्री जयकुमार जी (ठाणा-3) ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि भगवान महावीर का अहिंसा का संदेश और आचार्य महाप्रज्ञ का प्रेक्षाध्यान का विज्ञान आज की अशांत दुनिया के लिए अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि मनुष्य यदि आत्मानुशासन, ध्यान और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतार ले तो परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों में शांति एवं सद्भाव का वातावरण निर्मित हो सकता है। कार्यक्रम का शुभारंभ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा-दिल्ली के सांस्कृतिक प्रभारी श्री जय सिंह दुगड़, श्री

ललित श्यामसुखा एवं साथियों द्वारा आचार्य महाप्रज्ञ को समर्पित प्रेरणादायी गीत "प्रज्ञा, महाप्रज्ञ की प्रज्ञा" की सामूहिक प्रस्तुति से हुआ। गीत ने पूरे सभागार को आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत कर दिया।

मुख्य अतिथि श्री कन्हैयालाल जैन पटावरी ने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ का जीवन-दर्शन संपूर्ण मानवता की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि महाप्रज्ञजी के विचार केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अश्विनी उपाध्याय ने अपने मुख्य वक्तव्य में कहा कि जब तक समाज में नैतिकता, चरित्र और आध्यात्मिक चेतना का विकास नहीं होगा, तब तक सुशासन और सामाजिक समरसता का लक्ष्य अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन-मूल्य नई पीढ़ी को संस्कारित एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने की दिशा में अत्यंत उपयोगी हैं।

समारोह में श्री तेजकरण सुराणा, श्री सुखराज सेठिया, श्री हेमंत पटावरी, श्री बजरंग बोथरा, श्री राजेश जैन, श्री बाबूलाल गोलछा, श्रीमती कविता बरड़िया, श्री प्रदीप खटेर सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सुप्रसिद्ध कवि, लेखक, विचारक एवं गायक बाबा सत्यनारायण मौर्य की ओजस्वी प्रस्तुति रही, जिसमें उन्होंने भगवान महावीर और आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन-दर्शन को अत्यंत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन अंतरराष्ट्रीय कवि श्री राजेश चेतन ने किया। आयोजन की सफलता में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, दिल्ली के अध्यक्ष श्री बिमल कुमार बैंगानी, महामंत्री श्री प्रदीप संचेती, कार्यक्रम संयोजक श्री इंद्र बैंगानी तथा व्यवस्थाओं एवं समन्वय में श्री राजेश भंडारी की उल्लेखनीय भूमिका रही।

आचार्य श्री महाश्रमण प्रवास व्यवस्था समिति-दिल्ली के महामंत्री श्री सुखराज सेठिया ने कहा कि यह आयोजन केवल जन्मोत्सव नहीं, बल्कि आचार्य महाप्रज्ञ के चिंतन, दर्शन, प्रेक्षाध्यान, अहिंसा, नैतिकता और मानव एकता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने का सशक्त जन-जागरण अभियान है। मंगलपाठ एवं सामूहिक सद्भावना संदेश के साथ संपन्न हुए इस आयोजन ने उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक चेतना, नैतिक जीवन, अहिंसा और मानवता के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। यह समारोह भगवान महावीर से आचार्य महाप्रज्ञ तक प्रवाहित आध्यात्मिक परंपरा और मानवीय मूल्यों का एक प्रेरक उत्सव बन गया। कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, शिक्षाविदों, उद्योगपतियों, समाजसेवियों, युवाओं एवं महिलाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

मेरठ के खेल सामग्री उद्योग को वैश्विक पटल पर मिली उड़ान

उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में मेरठ का खेल सामग्री उद्योग हमेशा से एक गौरवशाली अध्याय रहा है। यहाँ के हुनरमंद कारीगरों और उद्यमियों ने क्रिकेट के बल्लों से लेकर एथलेटिक्स के विश्वस्तरीय उपकरणों तक, अपनी अद्वितीय कला का लोहा दुनिया भर में मनवाया है। इस पारंपरिक हुनर को आधुनिकता की रफ्तार देने और वैश्विक पटल पर और अधिक मजबूती से स्थापित करने में प्रदेश सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) यानी 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना एक बड़े उत्प्रेरक के रूप में उभरी है। प्रदेश सरकार की इस दूरदर्शी नीति ने मेरठ के खेल उद्योग को न केवल नई वित्तीय संजीवनी प्रदान की है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के असीम द्वार भी खोल दिए हैं। इधर कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे और वित्तीय सहायता में जो अभूतपूर्व तेजी आई है, उसने इस पूरे क्षेत्र की उत्पादन क्षमता और आर्थिक ताने-बाने को अभूतपूर्व उत्कर्ष प्रदान किया है।

वित्तीय मोर्चे पर ओडीओपी योजना के क्रियान्वयन ने जमीन पर बेहद ठोस और दूरगामी परिणाम दिखाए हैं। पिछले वित्तीय वर्ष के आंकड़ों के अनुसार, खेल सामग्री निर्माण से जुड़े उद्योगों को तीव्र रफ्तार देने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के समन्वय से एक सुदृढ़ वित्तीय ढांचा तैयार किया गया। इसके अंतर्गत जिले के लगभग 104 चिन्हित खेल सामग्री उत्पादकों और उद्यमियों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 135 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत कर वितरित किया गया। इस भारी-भरकम राशि ने छोटे और मझोले स्तर के कारखानों को अपनी उत्पादन तकनीक को आधुनिक बनाने तथा कच्चे माल की उपलब्धता को सुचारू करने में अभूतपूर्व मदद की है। इसके साथ ही, इन लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशासन द्वारा करीब 12 करोड़ रुपये की भारी सब्सिडी (अनुदान सहायता) सीधे प्रदान की गई, जिसने उद्यमियों के ऊपर से कर्ज के बोझ को काफी कम कर दिया है।

इस बड़े पैमाने पर मिली वित्तीय मदद का सीधा सकारात्मक असर मेरठ के औद्योगिक मानचित्र पर दिखाई देने लगा है। करीब 104 स्वीकृत आवेदनों के माध्यम से खेल सामग्री क्षेत्र में व्यापक स्तर पर औद्योगिक विस्तार हुआ है। वित्तीय सहायता के बल पर जिले में पहले से संचालित 100 से अधिक औद्योगिक इकाइयों ने अपनी क्षमता का विस्तार करते हुए नई मशीनें स्थापित की हैं और आधुनिक तकनीक को अपनाया है। इसके समानांतर, प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित इस अनुकूल माहौल से प्रेरित होकर क्षेत्र में लगभग 80 नए सूक्ष्म और लघु उद्योगों की सफल स्थापना हुई है। नए उद्यमों के आगमन से बाजार में एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित हुई है और निर्यात की जाने वाली सामग्रियों की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ओडीओपी योजना ने पारंपरिक रूप से चले आ रहे पारिवारिक व्यवसायों को कॉर्पोरेट रूप में ढलने और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करने की दिशा में एक नया हौसला और सामर्थ्य दिया है।

इस सफलता की निरंतरता को और आगे ले जाने के लिए प्रदेश सरकार ने चालू सत्र के लिए और भी बड़े और महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। खेल सामग्री उद्योग की बढ़ती मांग और उत्पादकों के भारी उत्साह को देखते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष में अनुदान की कुल राशि को बढ़ाकर 14.5 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य तय किया गया है।

जरा हटके

प्रदेश के मुख्यमंत्री...

निधि वर्मा

मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने आगरा के किसान श्री मतेन्द्र सेंगर की तकदीर बदली

उत्तर प्रदेश में कृषि और पशुपालन सदियों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के दो मजबूत आधार रहे हैं। जहां खेती किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन है, वहीं डेयरी व्यवसाय उन्हें नियमित आय का स्थायी स्रोत उपलब्ध कराता है। बदलते समय के साथ कृषि को अधिक लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए आवश्यक हो गया है कि किसानों को ऐसे वैकल्पिक आय स्रोत उपलब्ध कराए जाएं, जो उन्हें आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों प्रदान करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के साथ किसानों और पशुपालकों को आधुनिक डेयरी व्यवसाय से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ऐसी ही एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो किसानों के जीवन में समृद्धि की नई कहानी लिख रही है।

जनपद आगरा के निवासी श्री मतेन्द्र सेंगर, पिता श्री उदयवीर सिंह, लंबे समय से कृषि एवं पशुपालन से जुड़े रहे हैं। खेती से होने वाली आय परिवार की आवश्यक-ताओं को पूरा करने का प्रमुख आधार थी, लेकिन अन्य छोटे किसानों की तरह उनके सामने भी आय बढ़ाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की चुनौती थी। ऐसे समय में उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत चयनित होने के बाद उन्होंने आधुनिक डेयरी व्यवसाय की दिशा में कदम बढ़ाया और यही निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

वर्ष 2024-25 में उन्होंने योजना के अंतर्गत 23.60 लाख रुपये की लागत से आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। इस परियोजना पर उन्हें कुल लागत का 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे डेयरी व्यवसाय प्रारंभ करना आर्थिक रूप से सहज और व्यावहारिक बन गया। योजना के तहत उन्होंने 10 स्वदेशी नस्ल की साहीवाल एवं गिर गायों पर आधारित आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित की। सरकार द्वारा प्राप्त सहयोग ने उन्हें न केवल आर्थिक संबल दिया, बल्कि आधुनिक पशुपालन अपनाने का आत्मविश्वास भी प्रदान किया।

डेयरी इकाई की स्थापना के बाद श्री मतेन्द्र सेंगर ने वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित पशुपालन पद्धतियों को अपनाया। पशुओं के संतुलित पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छ रख-रखाव और आधुनिक प्रबंधन के कारण उनकी डेयरी की उत्पादकता लगातार बढ़ी। वर्तमान में उनकी डेयरी से प्रतिदिन लगभग 100 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। नियमित दुग्ध उत्पादन और प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उनकी औसत वार्षिक आय लगभग 18 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई, बल्कि खेती के साथ पशुपालन भी आय का स्थायी और भरोसेमंद स्रोत बन गया है।

इस सफलता का प्रभाव केवल उनकी आय तक सीमित नहीं रहा। आधुनिक डेयरी इकाई के संचालन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। पशुओं की देखभाल, दुग्ध संग्रहण, चारा प्रबंधन और अन्य गतिविधियों से आसपास के लोगों को भी रोजगार मिलने लगा है। इस प्रकार यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार को भी प्रोत्साहित कर रही है। श्री मतेन्द्र सेंगर का मानना है कि यदि उन्हें सरकार की इस योजना का सहयोग नहीं मिला होता, तो इतनी बड़ी आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित करना संभव नहीं था। वे अपनी सफलता का श्रेय उत्तर प्रदेश सरकार तथा दुग्धशाला विकास विभाग को देते हुए कहते हैं कि मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना ने उन्हें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि आत्मविश्वास के साथ एक सफल डेयरी उद्यमी बनने का अवसर भी प्रदान किया। आज वे अन्य किसानों और पशुपालकों को भी आधुनिक डेयरी व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार की यह योजना स्वदेशी गोवंश के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के अंतर्गत साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातिरी जैसी स्वदेशी नस्लों पर आधारित हाईटेक डेयरी इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा इस योजनान्तर्गत10 स्वदेशी गायों की डेयरी इकाई के लिए 23.60 लाख रुपये की अनुमानित परियोजना लागत निर्धारित की गई है, जिसमें 15 प्रतिशत लाभार्थी अंश, 35 प्रतिशत बैंक ऋण तथा अधिकतम 50 प्रतिशत (11.80 लाख रुपये तक) अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान की राशि दो समान किस्तों में दी जाती है, जिससे लाभार्थियों को डेयरी इकाई स्थापित करने में आर्थिक सुविधा मिलती है।

इस योजना के अंतर्गत खरीदी जाने वाली गायों का प्रदेश के बाहर से अधिकृत ब्रीडिंग ट्रैक्टर के माध्यम से क्रय, सभी पशुओं की ईयर टैगिंग तथा बीमा कराना अनिवार्य किया गया है। आधुनिक एवं मानकीकृत कैटल शेड का निर्माण, वैज्ञानिक पशुपालन व्यवस्था तथा आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास भी योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके साथ ही लाभार्थी के पास डेयरी इकाई के लिए लगभग 0.20 एकड़ भूमि तथा चारा उत्पादन के लिए लगभग 0.80 एकड़ भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है। इन प्रावधानों का उद्देश्य केवल डेयरी इकाई स्थापित करना नहीं, बल्कि उसे दीर्घकाल तक सफल और लाभकारी बनाए रखना है।

आज श्री मतेन्द्र सेंगर की सफलता इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि सरकारी योजनाओं का लाभ सही पात्र तक पहुंचे और उन्हें आधुनिक तकनीक तथा वैज्ञानिक प्रबंधन का सहयोग मिले, तो ग्रामीण परिवारों की आर्थिक तस्वीर बदली जा सकती है। उनकी कहानी केवल एक किसान की सफलता नहीं, बल्कि उन हजारों किसानों के लिए प्रेरणा है जो कृषि के साथ पशुपालन को जोड़कर अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने, स्वदेशी गोवंश के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को गति देगा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' : मंत्री ए. के. शर्मा

वन नेशन वन इलेक्शन से चुनावी खर्च घटेगा

सुझाव

- वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी पहल,देशहित में इसे शीघ्र लागू किया जाए : मंत्री ए. के. शर्मा
- बार-बार चुनाव से विकास की गति प्रभावित होती है, एक साथ चुनाव से देश की प्रगति को मिलेगी नई गतिः नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। संयुक्त संसदीय समिति नई दिल्ली के सदस्यों के साथ आज स्थानीय होटल ताज में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई बैठक में वन नेशन वन इलेक्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ जिसमें प्रदेश मंत्रिमंडल के सदस्य माननीय उपमुख्यमंत्री श्री कृष्णा प्रसाद मौर्य श्री सुरेश कुमार खन्ना से सूर्य प्रताप शाही श्री जयवीर सिंह श्री धर्मपाल सिंह एवं पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा उपस्थित रहे।

इस बैठक में प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री श्री ए के शर्मा ने अपने सुझाव देते हुए कहा कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच और राष्ट्रहित में लिया गया ऐतिहासिक निर्णय है, जिसे शीघ्र लागू किया जाना चाहिए। इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी तथा विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने वन नेशन वन इलेक्शन के साथ वन वोटर लिस्ट का भी समर्थन किया। शर्मा ने कहा कि

वन नेशन, वन इलेक्शन वन वोटर लिस्ट समय की आवश्यकता : मंत्री ए. के. शर्मा

जनता को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यदि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' लागू हो जाता है तो चुनावों की आवृत्ति कम होगी, चुनावी खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी, सुरक्षा बलों की बार-बार तैनाती की आवश्यकता घटेगी, प्रशासन विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेगा तथा सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। इससे जनता को भी बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 'विकसित भारत' का जो संकल्प लिया गया है, उसे साकार करने के लिए प्रशासनिक दक्षता और विकास की निरंतरता अत्यंत आवश्यक है। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण सुधार है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सशक्त तथा विकासोन्मुख बनाएगा।

वे वर्ष 2021 से राजनीति में सक्रिय हैं और तब से अब तक लोकसभा, विधानसभा, पंचायत तथा नगर निकाय सहित पांच चुनाव देख चुके हैं। आगे वर्ष 2027 और 2029 में भी चुनाव होने हैं। इस प्रकार केवल आठ वर्षों में आठ चुनावों की स्थिति बन जाती है। उन्होंने कहा कि

प्रत्येक चुनाव से दो-तीन माह पहले पूरा प्रशासन चुनावी तैयारियों में व्यस्त हो जाता है, जिससे सामान्य प्रशासनिक एवं विकास कार्यों की गति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होती है। यही स्थिति चुनाव संपन्न होने के बाद भी कुछ समय तक बनी रहती है। वन नेशन वन इलेक्शन हो जाने से इस तरह की स्थितियों से निजात मिलेगी।

इस साझेदारी से शहरी निकायों में उत्कृष्ट कार्य प्रणालियों का होगा विस्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत अर्बन ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (UTRI), लखनऊ तथा भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआई-एम), इंदौर के मध्य शहरी विकास, क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार को नई दिशा देने के उद्देश्य से आज वर्चुअल माध्यम से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) हस्तांतरित किया गया। नगर विकास विभाग के सचिव एवं यूटीआरआई के निदेशक श्री अनुज कुमार झा तथा आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रो. हिमांशु राय की उपस्थिति में एमओयू हस्तांतरण की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई।

इस समझौते के माध्यम से उत्तर प्रदेश के शहरी स्थानीय निकायों (Urban Local Bodies) की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करने, आधुनिक प्रबंधन प्रणाली को बढ़ावा देने तथा व्यवहार आधारित शहरी प्रशासन विकसित करने की दिशा में संयुक्त रूप से कार्य किया जाएगा।

- उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), इंदौर के मध्य क्षमता संवर्धन एवं प्रशिक्षण हेतु समझौता ज्ञापन हस्तांतरित
- ज्ञान, नवाचार और क्षमता संवर्धन से शहरी सुशासन को मिलेगी नई दिशाः अनुज कुमार

एमओयू के अंतर्गत प्रारंभिक चरण में वरिष्ठ अधिकारियों, नगर आयुक्तों, पार्षदों, जनप्रतिनिधियों तथा यूटीआरआई के मेंटर्स के लिए व्यवहार आधारित (Behavioural) प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

फास्ट न्यूज

कैंसर से जूझ रहे क्लर्क ने खुद को गोली मारी

बख्शी का तालाब ।इटौंजा कस्बे में मंगलवार को कैंसर से पीड़ित एक सरकारी क्लर्क ने खुद को गोली मार ली। वह लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे थे। आत्महत्या की सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। मृतक ने सुसाइड से पहले अपने बड़े भाइयों को मैसेज में लिखा था- अब मैं जीना नहीं चाहता। पुलिस के अनुसार, अशोक रोड, नगर पंचायत इटौंजा निवासी 47 वर्षीय अनुराग पांडेय अपने घर के कमरे में मृत पाए गए।

नोवोटेल होटल में वैज्ञानिक की मौत

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड थाना क्षेत्र स्थित नोवोटेल में एक वैज्ञानिक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। सुबह से दरवाजा न खुलने पर होटल कर्मियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो वैज्ञानिक अचेत अवस्था में बेड पर पड़े मिले। पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल की जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

महराजगंज जिले के सिसवा बाजार के बीजापार आसमान छपरा गांव के रहने वाले राहुल सिंह (22) युवा साइंटिस्ट थे। सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे विभूति खंड स्थित नोवोटेल होटल में आकर रुके थे।

दरोगा के घर चोरी करने वाले 4 चोर गिरफ्तार

मोहनलालगंज । बंद घरों की रेकी कर लाखों की चोरी करने वाले गैंग ने इस बार दरोगा के घर को निशाना बनाया, लेकिन वारदात के चार दिन बाद ही पुलिस ने चारों शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 20 लाख रुपए से अधिक कीमत के चोरी के जेवर भी बरामद हुए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की गई थीं।

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की पुरस्कार योजना में उत्कृष्ट इकाइयों को मिलेगा प्रथम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ की 'पुरस्कार योजना' के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इकाइयों/लाभार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, लखनऊ ए. के. गौतम ने बताया कि विगत 3 वर्षों में स्थापित एवं निरंतर अच्छा कार्य करने वाली उन इकाइयों का चयन किया जाना है जिन्हें मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत वित्तपोषित किया गया है। जिन इकाइयों द्वारा विगत 3 वर्षों में उत्पादन एवं बिक्री से सम्बंधित अच्छा कार्य किया गया है, उन्हें उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सम्बंधित इकाइयां अपनी प्रगति रिपोर्ट, उत्पादन, बिक्री, वित्तपोषित बैंक द्वारा प्राप्त ऋण धनराशि एवं

- 18 जुलाई शाम 5 बजे तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय लखनऊ में करें आवेदन
- मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग व पीएम रोजगार सृजन योजना के लाभार्थियों का होगा चयन

रोजगार से सम्बंधित आंकड़ों सहित 18 जुलाई 2026 को सायं 05.00 बजे तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 8 कैण्ट रोड, कैसरबाग, लखनऊ में अपना आवेदन पत्र समस्त प्रपत्रों सहित जमा कर सकती हैं।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि प्राप्त आवेदनों के आधार पर जनपद स्तर पर गठित चयन समिति के माध्यम से इकाइयों का चयन किया जाएगा। चयन उपरांत पात्र इकाइयों को मण्डल स्तर पर पुरस्कार चयन की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय, लखनऊ मण्डल, लखनऊ को अग्रसारित किया जाएगा।

17 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के समर्थन में संजय सिंह ने फूंका बिगुल

सोनम वांगचुक के अनशन से नहीं पसीजेंगे मोदी : संजय सिंह

- 20 जुलाई को यूपी के हर जिले में सड़क पर उतरेगी 'आप'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लद्दाख के अधिकारों और देश के युवाओं के भविष्य के लिए जंतर-मंतर पर 17 दिनों से आमरण अनशन कर रहे सोनम वांगचुक के समर्थन में निर्णायक बिगुल फूंक दिया है। उन्होंने पेपर लीक, नीट धांधली और अग्निवीर जैसी योजनाओं से बर्बाद हो रहे करोड़ों युवाओं की आवाज को दबाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और 'गोदी मीडिया' की संवेद-नहीनता पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने

सोनम वांगचुक और युवाओं के हक में 'आप' का बड़ा एलानः 20 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश में होगा प्रदर्शन

साफ तौर पर कहा कि सोनम वांगचुक के अनशन से प्रधानमंत्री मोदी और संवेद-नहीन भाजपा सरकार नहीं पसीजेगी , हम गंगा की निर्मलता के लिए 100 दिनों से ज्यादा तक आमरण अनशन पर बैठे जी.डी. अग्रवाल का हश्र देख चुके हैं जिनकी मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री ने केवल औपचारिकता का ट्वीट ही किया था। उन्होंने कहा कि जब देश का नौजवान सड़कों पर उतरेगा तभी यह संवेदनहीन सत्ता झुकेगी। इस अन्याय के खिलाफ एकजुटता दिखाते हुए संजय सिंह ने घोषणा की है कि आगामी 20 जुलाई को आम आदमी पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई हर जिले में व्यापक प्रदर्शन और आंदोलन के जरिए सोनम वांगचुक के संघर्ष को जन-जन तक पहुंचाएगी। संजय सिंह ने कहा कि 'समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।' उन्होंने याद दिलाया कि सोनम वांगचुक वही शख्सियत हैं जिनके जीवन पर '3 ईडियट्स' फिल्म बनी और जिन्होंने कमजोर बच्चों की शिक्षा के लिए लद्दाख में क्रांतिकारी स्कूल बनाया।

नौजवान सड़कों पर उतरेगा तभी झुकेगी सत्ता : संजय सिंह

नीट धांधली और अग्निवीर योजना ने बर्बाद किया करोड़ों नौजवानों का भविष्य

संजय सिंह ने सोनम वांगचुक के अनशन को देश के उन करोड़ों युवाओं के भविष्य से जोड़ा जिनका जीवन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि देश में अब तक 93 पेपर लीक हो चुके हैं, जिससे युवाओं का सपना टूट गया है। NEET की परीक्षाओं में हुई धांधली और सेना की स्थायी नौकरी को खत्म कर लाई गई 4 साल की 'अग्निवीर' योजना ने युवाओं को अंधकार में धकेल दिया है। सोनम वांगचुक उन्हीं नौजवानों के हक की बुलंद आवाज बनकर जंतर-मंतर पर डटे हैं।

विपक्षी दलों की एकजुटता

संजय सिंह ने बताया कि सोनम वांगचुक के संघर्ष को विपक्षी दलों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जब आम आदमी पार्टी, जॉन ब्रिटास, दीपांकर भट्टाचार्य, पुष्पेंद्र सरोज (सपा), उद्धव ठाकरे और अरविंद केजरीवाल जैसे नेता समर्थन देने जाते हैं, तो भाजपा के ट्रोल उनका मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संवेदनशील मुद्दों पर आवाज उठाना नेताओं की जिम्मेदारी है और वे गालियों व आलोचनाओं से डरकर पीछे हटने वाले नहीं हैं।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर संयुक्त संसदीय समिति ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से किया संवाद

एक साथ चुनाव से समय, संसाधन और ऊर्जा की होगी बचत : महाना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 एवं संघ राज्य क्षेत्र कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के प्रस्तावित कानून को लेकर उत्तर प्रदेश में विभिन्न हितधारकों से संवाद की प्रक्रिया शुरू की है।

लखनऊ स्थित होटल ताज, गोमती नगर में आयोजित कार्यक्रम में समिति ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना से भेंट कर एक साथ चुनाव कराने के संबंध में उनके विचार एवं सुझाव प्राप्त किए।

विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने समिति के समक्ष अपने विचार रखते हुए कहा कि "पूरे देश में एक राष्ट्र और एक चुनाव की भावना लंबे समय से रही है। एक देश, एक चुनाव केवल नेताओं के लिए नहीं बल्कि जनता के लिए भी सुविधाजनक होगा। बार-बार चुनाव होने से जनता और जनप्रतिनिधि दोनों प्रभावित होते हैं। चुनाव प्रक्रिया में सभी की भूमिका और इच्छा महत्वपूर्ण होती है, लेकिन यदि चुनाव एक साथ नहीं होते हैं तो बार-बार चुनावी गतिविधियों का प्रभाव शासन व्यवस्था पर भी पड़ता है।"

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि "अपनी विधानसभा क्षेत्र में मुझे भी कई बार चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रहना पड़ता है। जब-जब चुनाव होते हैं, जनता के बीच प्रतिनिधियों की जवाबदेही और विकास कार्यों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

महाना ने कहा कि बार-बार चुनाव होने से प्रशासनिक मशीनरी, सुरक्षा बलों और सरकारी संसाधनों का बड़ा हिस्सा चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहता है। एक साथ चुनाव होने से इन संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होगा और विकास योजनाओं की गति भी बनी रहेगी।

संयुक्त संसदीय समिति उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर

ज्ञातव्य है कि संयुक्त संसदीय समिति अपने लखनऊ प्रवास के दौरान उत्तर प्रदेश विधानमंडल के सदस्यों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, विधि विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्योग एवं व्यापार संगठनों, प्रबुद्धजनों तथा मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रही है।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद श्री पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संयुक्त संसदीय समिति उत्तर प्रदेश के लखनऊ में तीन दिवसीय अध्ययन दौरे पर है। समिति का उद्देश्य लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े संवैधानिक, प्रशासनिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त करना है।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

जनसुनवाई एवं महिला संस्थानों के निरीक्षणों पर हुई विस्तृत समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 14.07.2026 को उ.प्र. राज्य महिला आयोग में मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन उ.प्र. राज्य महिला आयोग की मा. अध्यक्ष, डॉ. बबीता सिंह चौहान की अध्यक्षता में किया गया। उक्त बैठक का शुभारम्भ आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव एवं मा. उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

मा. अध्यक्ष द्वारा मासिक बैठक में विगत माह में आयोग के मा. पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में महिला जनसुनवाई, वन स्टाप सेन्टर, महिला चिकित्सालय, महिला बन्दीगृह, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय आदि के निरीक्षण की समीक्षा की गयी तथा

आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभाग को पत्र भेजे जाने के निर्देश दिये गये। बैठक में आयोग द्वारा आगामी माह में किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सदस्य सचिव श्रीमती रेणु तिवारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी मा. पदाधिकारियों का धन्यवाद कर बैठक का समापन किया गया। कार्यक्रम में उ.प्र. राज्य महिला आयोग की मा. अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव, मा. उपाध्यक्ष श्रीमती चारू चौधरी तथा मा. सदस्यगण श्रीमती हिमानी अग्रवाल, श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, श्रीमती पूनम द्विवेदी, श्रीमती अनीता गुप्ता, श्रीमती अनुपमा सिंह लोधी, श्रीमती गीता बिन्द, श्रीमती गीता विश्वकर्मा, श्रीमती पुष्पा पाण्डेय, श्रीमती मीनाक्षी भराला, श्रीमती ऋतु शाही, श्रीमती एकता सिंह, श्रीमती प्रतिभा कुशवाहा, श्रीमती रेनू गौड, सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी/अधि-कारी उपस्थित रहे।

केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट व विज्ञप्ति को ही मानें प्रमाणिक : अध्यक्ष

पीजीटी के परिणाम, प्राप्तांक व चयन सूची पहले ही सार्वजनिक, अफवाहों से बचें अभ्यर्थी

निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने पीजीटी, टीईटी एवं अन्य परीक्षाओं को लेकर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए अभ्यर्थियों को सतर्क किया है।

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि आयोग के संज्ञान में आया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा पीजीटी, टीईटी एवं अन्य परीक्षाओं के संबंध में OMR शीट, उत्तर कुंजी, कटऑफ, प्राप्तांक के बारे में अभ्यर्थियों को आयोग कार्यालय आकर प्रार्थना पत्र देने के लिए उकसाया व भ्रमित किया जा रहा है। साथ ही AI के माध्यम से फर्जी अभिलेख तैयार

- पीजीटी, टीईटी समेत अन्य परीक्षाओं को लेकर भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों पर होगी विधिक कार्रवाई - डॉ. प्रशांत कुमार

करने तथा धन के लेन-देन संबंधी अप्रमाणित सूचनाएँ भी प्रसारित की जा रही हैं। आयोग अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि पीजीटी परीक्षा के परिणाम पहले ही घोषित किए जा चुके हैं। सभी अभ्यर्थियों के प्राप्तांक तथा चयनित अभ्यर्थियों के लिखित परीक्षा अंक, साक्षात्कार अंक एवं अंतिम प्राप्तांक आयोग द्वारा पृथक-पृथक रूप से वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जा चुके हैं। डॉ. प्रशांत कुमार ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि ऐसी भ्रामक एवं निराधार सूचनाओं पर विश्वास न करें। केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित विज्ञापनों एवं सूचनाओं को ही प्रमाणिक मानें। उन्होंने चेतावनी दी कि असत्य एवं भ्रामक सूचना प्रसारित करने, अभ्यर्थियों को गुमराह करने तथा अवैध धन वसूली का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने अभ्यर्थियों से कहा है कि किसी भी जानकारी के लिए आयोग कार्यालय के चक्कर लगाने या दलालों के बहकावे में न आएं। सभी सूचनाएं आयोग की वेबसाइट www.upessc.gov.in पर उपलब्ध हैं।

भाषण : वैज्ञानिक व्याख्यान, पेशेवर संवाद तथा ज्ञान-विनिमय के अनेक सत्र आयोजित किए गए

कालीकट में सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

कालीकट, केरल । देहलवी ग्रुप ऑफ कंपनीज़ ने केरल यूनानी मेडिकल एसोसिएशन (KUMA) के सहयोग से होटल डिमोरा, कालीकट में सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केरल के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित यूनानी चिकित्सकों, शिक्षाविदों एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों के लिए वैज्ञानिक व्याख्यान, पेशेवर संवाद तथा ज्ञान-विनिमय के अनेक सत्र आयोजित किए गए। इनमें क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट अधिनियम, क्रॉनिक किडनी डिज़ीज़

(CKD), मानसिक स्वास्थ्य तथा यूनानी चिकित्सा में नवीनतम प्रगति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ KUMA के सचिव डॉ. सैयद मोहसिन के स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात KUMA के अध्यक्ष डॉ. यू. मुजीब ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि सतत चिकित्सा शिक्षा चिकित्सकों की पेशेवर दक्षता बढ़ाने, साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास से चिकित्सकों को अवगत कराने का एक प्रभावी माध्यम है। उद्घाटन सत्र के दौरान डॉ. ओ.के.एम. अब्दुर्रहमान द्वारा लिखित पुस्तक ₹7-Day Body Reset₹ का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में हकीम मोहसिन देहलवी ने देहलवी ग्रुप की अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कंपनी ने भारत में पहली बार शुगर-फ्री यूनानी कैप्सूल, शुगर-फ्री यूनानी सिरप, शुगर-फ्री ख़मीरा एवं माजून जैसे उत्पाद विकसित किए।

हकीम मोहसिन देहलवी के विशेष संबोधन से हुई शुरूआत

इस अवसर पर यंग अचीवर्स सम्मान के अंतर्गत डॉ. अल वारिस मोहम्मद सहल नूरानी तथा सुश्री आलिया सफवाना को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। देहलवी ग्रुप सत्र की शुरुआत देहलवी ग्रुप के चेयरमैन हकीम मोहसिन देहलवी के विशेष संबोधन से हुई। उन्होंने संगठन की 100 वर्षों की गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 1926 में हकीम गुलाम किब्रिया ख़ान (हकीम भूरे मियाँ) द्वारा स्थापित बड़ा दवाखाना से शुरू हुई यह यात्रा आज एक आधुनिक एवं अनुसंधान-आधारित स्वास्थ्य सेवा संस्थान के रूप में विकसित हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सा की समृद्ध परंपरा को संरक्षित रखना जितना आवश्यक है, उतना ही महत्वपूर्ण इसे वैज्ञानिक प्रमाणिकता, गुणवत्ता आश्वासन, नवाचार और आधुनिक औषधि निर्माण पद्धतियों के साथ आगे बढ़ाना भी है।

कार्यक्रम का पहला वैज्ञानिक सत्र डॉ. अब्दुल नज़ीर एम.टी. द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने केरल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट एक्ट एवं पंजीकरण प्रक्रिया विषय पर विस्तार से जानकारी दी। अपने व्याख्यान में उन्होंने केरल में क्लिनिकल संस्थानों से संबंधित कानूनी एवं नियामक प्रावधानों की व्याख्या करते हुए स्वास्थ्य संस्थानों के लिए वैधानिक अनुपालन के महत्व पर विशेष बल दिया।

यूपी एसटीएफ ने 2 गोलियां मारीं ■ चलती ट्रेन से कूदकर पुलिस कस्टडी से भागा था

हत्यारोपी मुस्तफिजुल एनकाउंटर में मारा गया

फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर/आजमगढ़। गोरखपुर में यूपी STF ने बसपा नेता की हत्या के आरोपी बदमाश को सोमवार रात 11:15 बजे एनकाउंटर में मार गिराया। उस पर 1 लाख का इनाम था। STF और पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर और आंख के पास गोली लगी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मुठभेड़ जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर रामनगर करजहा में हुई। 30 मिनट चली मुठभेड़ में दोनों तरफ से 15 राउंड फायरिंग हुई। बदमाश मुस्तफिजुल हसन ने 4 साल पहले बसपा नेता कलामुद्दीन उर्फ कमालू की हत्या की

मुस्तफिजुल रहमान, मृतक बदमाश

थी। कलामुद्दीन ने आजमगढ़ की निजामाबाद विधानसभा से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

मुस्तफिजुल लगातार ठिकाने बदलता रहता था, इसलिए पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही थी। दिसंबर 2024 में पुलिस ने मुस्तफिजुल को गुजरात से गिरफ्तार किया था, लेकिन आजमगढ़ लाते समय वह महाराष्ट्र के अमरावती रेलवे स्टेशन के पास टॉयलेट जाने का बहाना कर चलती ट्रेन से कूद गया था। मुस्तफिजुल आजमगढ़ के मेहनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। उसके खिलाफ आजमगढ़ (8), हरदोई (1) और महाराष्ट्र के अमरावती (1) में हत्या, लूट जैसी धाराओं में 10 मुकदमे दर्ज थे। मुस्तफिजुल हसन उर्फ बाबू भी खुंदनपुर गांव का रहने वाला था। पिता जमालुद्दीन खेती-किसानी करते थे। उसके 3 भाइयों की बीमारी की वजह से मौत हो चुकी है।

पुलिस ने रोका तो फायरिंग की, जवाबी फायरिंग में ढेर

STF और पुलिस को सूचना मिली थी कि मुस्तफिजुल कुशीनगर की ओर जा रहा है। STF और पुलिस ने रामनगर-कड़जहां फोरलेन पर चेकिंग शुरू कर दी। रात 11 बजे मुस्तफिजुल बाइक से आया। टीम ने रुकने का इशारा किया, लेकिन वह बाइक मोड़कर भागने लगा। पीछा किया तो फायरिंग कर दी। एक गोली STF के हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र सिंह को लग गई। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। मुस्तफिजुल को दो गोलियां लगीं और वह सड़क पर गिर पड़ा। पुलिस घायल सिपाही और बदमाश को खोराबार प्राइमरी हेल्थ सेंटर (PHC) लेकर आई। रात 1 बजे इलाज के दौरान मुस्तफिजुल की मौत हो गई। मौके से पुलिस ने .32 बोर की पिस्टल, एक बाइक और कारतूस बरामद किए।

■ यूपी STF और पुलिस ने बदमाश मुस्तफिजुल का एनकाउंटर किया।

बसपा नेता की 2021 में हत्या हुई, दुबई से धमकियां मिल रही थीं

यूपी STF के मुताबिक, बसपा नेता कमालुद्दीन भी खुंदनपुर गांव के रहने वाले थे। लखनऊ में प्रॉपर्टी डीलिंग करते थे। 15 फरवरी 2021 को उनकी हत्या कर दी गई थी। जांच के दौरान आजमगढ़ पुलिस को माफिया मुख्तार अंसारी का सीधा कनेक्शन मिला था। उसके गैंग से जुड़े दो फरार बदमाश अली शेर और मसरूर भी वारदात में शामिल थे।

मेरठ में नकली चाय-ऑल आउट रिफिल का भंडाफोड़

दाल मंडी में छापेमारी, दो कारोबारी गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के सदर बाजार थाना क्षेत्र की दाल मंडी में सोमवार रात पुलिस ने ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद बेचने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस और कंपनी की जांच टीम की संयुक्त कार्रवाई में दो कारोबारियों को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान बड़ी संख्या में नकली टाटा टी और ऑल आउट रिफिल बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, कंपनी की जांच टीम को लंबे समय से शिकायतें मिल रही थीं कि दाल मंडी क्षेत्र में कुछ दुकानों पर ब्रांडेड कंपनियों के नाम से नकली चाय और मच्छर भगाने वाली रिफिल बेची जा रही हैं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर पुलिस के साथ मिलकर

यह संयुक्त छापेमारी की गई।

कार्रवाई के दौरान जैन किराना स्टोर और जैन जनरल स्टोर से भारी मात्रा में नकली सामान बरामद हुआ। आशीष जैन की दुकान से टाटा टी के लगभग 500 पैकेट मिले, जबकि राकेश कुमार जैन की दुकान से एक किलो के करीब 50 पैकेट और ऑल आउट रिफिल के 632 नकली पैकेट बरामद किए गए। बरामद सभी उत्पाद असली ब्रांड की पैकिंग जैसे दिख रहे थे।

पुलिस ने मौके से दोनों कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनसे नकली उत्पादों की खरीद और सप्लाई नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जा रही है।

फास्ट न्यूज

हथियार तस्करी का कोडवर्ड- भैंस और दाना

गाजियाबाद। गाजियाबाद में हथियार सप्लाई करने वाले गैंग के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, गैंग पिछले 2 साल से हथियारों की तस्करी कर रहे थे। गैंग का सरगना दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। वहीं से वह पूरे नेटवर्क को ऑपरेट करता था। पूछताछ में सामने आया है कि गैंग वेस्ट यूपी, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में 100 से ज्यादा अवैध हथियार सप्लाई कर चुका है।

प्रयागराज से दिल्ली जा रहे स्पाइसजेट विमान का एसी खराब

प्रयागराज। प्रयागराज से दिल्ली जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान का एयर कंडीशनर (एसी) मंगलवार को खराब हो गया। इससे विमान में सवार यात्री गर्मी से परेशान हो गए। यात्रियों द्वारा बोर्डिंग पास से पंखा करते हुए बनाए गए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

यह घटना स्पाइसजेट की उड़ान SG9042 में हुई। यह विमान पहले देहरादून से यात्रियों को लेकर प्रयागराज एयरपोर्ट आया था। प्रयागराज से स्पाइसजेट की नियमित विमान सेवा नहीं है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय गेट पर छात्रों का धरना

प्रयागराज । इलाहाबाद विश्वविद्यालय के यूनियन गेट में छात्रों का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। छात्रों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा लागू की जा रही प्रतिवर्ष फीस वृद्धि और बड़ी संख्या में सीटों की कटौती से विद्यार्थी प्रभावित हो रहे हैं, इसलिए जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं की जाती वे धरने पर बैठे रहेंगे।

पत्नी से तंग आकर थाने में खुद को आग लगाई

इंसाफ चाहिए चिल्लाते हुए पहुंचा युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

नरवल (कानपुर)। कानपुर में पत्नी से परेशान होकर युवक ने मंगलवार सुबह 11 बजे थाने के गेट पर खुद को आग लगा ली। युवक चिल्लाते हुए महाराजपुर थाने के गेट पर पहुंचा। बोला- मुझे इंसाफ चाहिए। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता उसने पेट्रोल भरी बोतल निकाली और खुद पर छिड़क लिया। फिर माचिस जलाकर खुद को आग के हवाले कर दिया।

देखते ही देखते युवक आग की लपटों में घिर गया। वह तड़पते हुए इधर-उधर भागने लगा। थाने में अफरा-तफरी मच गई। इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाही उसे बचाने के लिए दौड़े। उस पर कंबल डाला। युवक को बचाने के चक्कर में इंस्पेक्टर-सिपाही के हाथ झुलस गए। कुछ लोग बाल्टी में पानी लेकर

आए। आग बुझाई।

युवक को गंभीर हालत में उर्सला हॉस्पिटल में भर्ती कराया। युवक की पहचान महेश (32) के रूप में हुई है। उसका आरोप है कि पत्नी का किसी और से अफेयर चल रहा है। मुझसे लड़ती-झगड़ती है। मारपीट करती है। ताने मारती है। मुझे उसके साथ नहीं रहना है। महाराजपुर में राजथोक के फुफुवार में महेश पासी (32) पत्नी और 2 बच्चों के साथ रहता है। मजदूरी कर घर चलाता है। उसकी शादी 2015 में कानपुर के सचेंडी की रहने वाली पूनम के साथ हुई थी।दोनों के एक 8 साल का बेटा और 13 साल की बेटी है।

मस्जिद को भी बुलडोजर से तोड़ा जा रहा, 100 से ज्यादा जवान तैनात

भल में ईदगाह की 25 फीट की मीनार ढहाई

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । यूपी के संभल में ईदगाह और मस्जिद पर मंगलवार दोपहर 3 बजे से बुलडोजर चल रहा है। 25 फीट ऊंची ईदगाह की मीनार ढहा दी गई है। अब बाकी हिस्सा तोड़ा जा रहा है। मौके पर पुलिस, पीएसी और RAF के 100 जवान तैनात हैं। 2 नायब तहसीलदारों और 8 लेखपाल भी मौजूद हैं। आसपास के लोगों के आने पर रोक लगा दी गई है। इससे पहले, दोपहर ढाई बजे दो मकानों को भी तोड़ा गया।

प्रशासन का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर कार्रवाई की जा रही है। 6 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा किया गया था। इसमें 4 बीघा जमीन

सरकारी कब्रिस्तान की है।

इसी जमीन के 70 वर्गमीटर हिस्से में ईदगाह और मस्जिद बना दी गई थी। वहीं, बाकी 2 बीघा जमीन गांव की एक महिला की है, जिस पर दो लोगों ने जबरन कब्जा कर लिया था। मामला असमोली थाना क्षेत्र का है। ईदगाह-मस्जिदः जनवरी- 2026 में ग्रामीणों ने तत्कालीन डीएम राजेंद्र पैंसिया से सरकारी कब्रिस्तान की जमीन पर बनी ईदगाह और मस्जिद की शिकायत की थी। उन्होंने पैमाइश कराई, जिसमें निर्माण अवैध मिला। इसके बाद 21 अप्रैल, 2026 को तहसीलदार कोर्ट ने ईदगाह और मस्जिद को हटाने का आदेश दिया था।

दो मकान अवैध हैंः अब्बास हैदर ने बताया कि 2022 में उनकी मां मुबशरा खातून ने 6 लाख रुपए में जमीन खरीदी थी। लेकिन, गांव के शमशाद-इफ्तखार ने उस पर कब्जा कर मकान बना लिए थे। 2022 में मां ने SDM कोर्ट में शिकायत की थी।

तहसीलदार बोले- कब्जेदारों पर कराएंगे एफआईआर

तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने कहा - मढ़न गांव में अवैध कब्जेदारों और भू-माफियाओं का बोलबाला रहा है। यहां के गरीब ग्रामीण, किसान शिकायतें करते रहे हैं। एक बैनामादार महिला की भूमि पर दो लोगों ने 4 साल से कब्जा कर रखा था और हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्होंने कब्जा नहीं हटाया, आज उसको कब्जा दिलाया गया। इसके साथ ही सड़क किनारे की गाटा संख्या 208 की जमीन चकबंदी में कब्रिस्तान के लिए रिजर्व की गई थी। लेकिन भू-माफियाओं ने धर्म की आड़ में इसका स्वरूप बदलकर ईदगाह के रूप में परिवर्तित किया और अब इस पर मिट्टी डालकर प्लॉटिंग कर रहे थे। जिन लोगों ने यहां अवैध कब्जा किया था, उनके खिलाफ FIR भी करवाऊंगा।

■ बुलडोजर ने 2 बीघा जमीन पर बने दो मकानों को ढहा दिया।

> **मुबशशरा के बेटे अब्बास हैदर ने बताया कि हाई कोर्ट ने एसडीएम कोर्ट के फैसले को सही ठहराकर बेदखली के आदेश दिए थे। जिनका आज पालन हो रहा है।**

वृंदावन में साधक की जीवनभर की कमाई पर डाका

जैंत पुलिस ने 2.90 करोड़ की चोरी का किया खुलासा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना जैंत पुलिस ने सुनरख क्षेत्र में हुई करीब 2 करोड़ 90 लाख रुपये की सनसनीखेज चोरी का खुलासा करते हुए चार अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 करोड़ रुपये नकद, चोरी के पैसों से खरीदी गई फॉक्सवैगन वर्टस कार, सोने-चांदी के आभूषण, महंगे मोबाइल फोन, ब्रांडेड सामान तथा वारदात में प्रयुक्त टाटा पंच कार सहित कुल 2 करोड़ 60 लाख 12 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की है। पुलिस के अनुसार गुजरात के गांधीनगर निवासी राकेश प्रजापति अपने पुत्र के वृंदावन स्थित आश्रम

में दीक्षित होने के बाद स्वयं भी धार्मिक जीवन अपनाने के उद्देश्य से गुजरात की अपनी संपत्ति बेचकर सुनरख में रहने लगे थे। उन्होंने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी करीब 2.90 करोड़ रुपये घर में रखी हुई थी। इसी दौरान उनकी पहचान सुनरख में रहने वाले आलोक और राजन से हुई। आरोप है कि दोनों ने सूरत निवासी अपने साथियों प्रेम सागर और हीरेन के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई। योजना के तहत आलोक पीड़ित को प्लॉट दिखाने के बहाने मांट क्षेत्र ले गया, जबकि उसके तीन साथियों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी और दीवान में रखी पूरी नकदी चोरी कर ली।

चार अंतरराज्यीय चोर गिरफ्तार, 2 करोड़ नकद समेत 2.60 करोड़ की संपत्ति बरामद

> **चोरी के बाद आरोपियों ने पीड़ित को धमकाकर मामला दबाने का प्रयास किया। भय के कारण पीड़ित कुछ समय के लिए गुजरात लौट गए, जहां उनकी तबीयत भी बिगड़ गई। बाद में उन्होंने थाना जैंत में शिकायत दर्ज कराई, जिस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विशेष टीम गठित की।**

जांच के दौरान पुलिस ने मंगलवार तड़के सुनरख रोड से एनएच-19 जाने वाले मार्ग पर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उनके कब्जे से 2 करोड़ रुपये नकद, फॉक्सवैगन वर्टस कार, घटना में प्रयुक्त टाटा पंच कार, एप्पल, सैमसंग और वीवो के चार मोबाइल, सोने-चांदी के आभूषण, ब्रांडेड जूते, कपड़े, घड़ियां तथा जिम और स्विमिंग किट बरामद की गई।

छोटा भाई बोला- साइड हटने को कहा था, दबंग पिस्टल से फायर करने लगे

हॉर्न बजाने पर युवक की गोली मारकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजियाबाद में हॉर्न बजाने को लेकर युवक की हत्या कर दी गई। घटना के समय उसका छोटा भाई भी साथ में था। बाइकसवार युवक ने गाड़ी साइड करने को लेकर हॉर्न बजाया, जिसके बाद मोहल्ले के दबंग ने उस पर पिस्टल से दो फायर किए। पहली गोली पेट में जबकि, दूसरी उसकी जेब में रखे मोबाइल पर लगी।

युवक के घरवाले उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना लोनी बॉर्डर की रतिराम कॉलोनी में रविवार रात करीब 12 बजे हुई। पुलिस की पहचान रतिराम कॉलोनी के रहने वाले विपिन कुमार (25) के रूप में हुई। उसके छोटे भाई गौरव के भी हाथ में गोली लगी

विपिन, मृतक

है। पुलिस ने आरोपी के पिता और पत्नी को गिरफ्तार किया है। विपिन के छोटे भाई गौरव ने बताया- रतिराम कॉलोनी के रहने वाले विपिन के पड़ोसी पवन के घर पर पार्टी थी। इसमें शामिल होने के लिए उसके रिश्तेदार आए हुए थे। पार्टी खत्म होने के बाद कुछ रिश्तेदारों को छोड़ने के लिए विपिन अपने छोटे भाई गौरव के साथ पास की नहर पुलिया तक गए थे। वापस आते समय मोहल्ले के सोनू से बाइक का हार्न बजाने को लेकर झगड़ा हो गया।

गौरव बोला- मेरे सामने भैया को मार दिया

गौरव ने बताया कि रात ज्यादा होने से हम पवन के रिश्तेदारों को लोनी बॉर्डर की नहर पुलिया तक छोड़ने गए थे। वापस आते समय रास्ते में कुछ लड़के खड़े थे। जब हमने साइड हटने के लिए हॉर्न बजाया। तब वहां खड़े लड़कों ने कहा कि तुम हमें जानते नहीं हो क्या। इतना कहने के बाद पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी। पहली गोली मुझे लगी, लेकिन मैं बच गया। हमारे साथ 2 और युवक थे। वे भाग निकले। मैंने शोर मचाया तो हमलावर भागे, तब हम घायल भाई को लेकर नजदीकी अस्पताल पहुंचे। उस समय थोड़ी-थोड़ी सांसें चल रही थीं।

पृष्ठ 01 का शेष...

धार भोजशाला परिसर...

वहीं, तय जगह पर मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज अदा कर सकेंगे।

गौरतलब है कि 15 मई 2026 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने फैसले में भोजशाला परिसर को मां सरस्वती का मंदिर माना था। अदालत ने परिसर में नमाज अदा करने पर रोक लगाते हुए हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार दिया था। हाईकोर्ट का यह फैसला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सुनाया गया था।

गुजरात के अंबाजी...

पुलिस ने जांच के बाद मंदिर के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं। यह चोरी उस समय हुई थी, जब भंडारगृह में नोटों की गिनती की जा रही थी। रुपये का बंडल छुपाने के बाद चिराग ठाकोर बाथरूम जाने के बहाने निकल रहा था। इसी दौरान उसकी जेब से 1,04,000 रुपए का एक बंडल गिर गया था। वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों जब उसे देखा तो तुरंत उच्च अधिकारियों को इसकी सूचना दे दी थी। इसके बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने ठाकोर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। अदालत ने भी तीनों 5 दिन की रिमांड पर भी भेजा था।

विरोध : होर्मुज में...

उसने सभी पक्षों से हिंसा रोकने, बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट जैसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर जहाजों की सुरक्षित आवाजाही और व्यापार हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ईरान ने दावा किया है कि पिछले कुछ हफ्तों में 200 से ज्यादा विदेशी जहाजों ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने के लिए उसकी इजाजत मांगी है। ईरान के पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (PGSA) ने इसकी जानकारी दी है।

PGSA ने कहा कि इनमें से ज्यादातर जहाजों को आवागमन की मंजूरी और बीमा कवरेज भी दिया गया। हालांकि, उसने यह नहीं बताया कि इसमें से कुल कितने जहाजों को अनुमति मिली।

ईरान ने इसी साल PGSA की स्थापना की थी। उसका कहना है कि इस संस्था का मकसद होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की आवाजाही पर निगरानी रखना और इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर अपने अधिकार के दावे को मजबूत करना है। हाल ही में होर्मुज स्ट्रेट को बंद घोषित करने से पहले भी ईरान कहता रहा था कि केवल वही जहाज इस रास्ते से गुजर सकते हैं, जो PGSA के जरिए उसकी मंजूरी लें।

वहीं, अमेरिका ने पहले ही जहाज संचालकों को PGSA के साथ सहयोग नहीं करने की चेतावनी दी थी।

सऊदी अरब ने सोमवार को यमन की राजधानी सना के एयरपोर्ट पर हमला किया। CNN के मुताबिक यह हमला इसलिए किया गया ताकि ईरान से लौट रहे हूती डेलिगेशन का विमान वहां लैंड न कर सके।

राम मंदिर ट्रस्ट के...

पहले नियमित रूप से रोजाना ऑडिट की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन नई प्रणाली में प्रत्येक दिन के वित्तीय लेन-देन का उसी दिन सत्यापन और लेखा-जोखा तैयार किया जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत दान, प्रसाद, काउंटरों से होने वाली आय सहित सभी वित्तीय मदों का दैनिक रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही आय-व्यय का मिलान कर संबंधित अभिलेख सुरक्षित रखे जा रहे हैं, ताकि किसी भी स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके।

सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट का उद्देश्य वित्तीय प्रबंधन को पूरी तरह व्यवस्थित, पारदर्शी और आधुनिक बनाना है। इसी कारण अकाउंट सिस्टम में कई प्रक्रियाओं को नए सिरे से लागू किया जा रहा है। चंदन राय और जगदीश आफले इस व्यवस्था के संचालन में डॉ. कृष्ण मोहन के साथ समन्वय कर रहे हैं।

ट्रस्ट से जुड़े लोगों का मानना है कि दैनिक ऑडिट व्यवस्था लागू होने से वित्तीय अनुशासन और निगरानी पहले की तुलना में अधिक मजबूत होगी तथा प्रत्येक लेन-देन का तत्काल सत्यापन संभव हो सकेगा।

वांगचुक 17 दिन से...

इतनी निर्मम सरकार के लिए किसी का भी बलिदान मायने नहीं रखता।

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल- मैं 16 जुलाई शाम 5 बजे जंतर-मंतर जाकर सोनम वांगचुक और CJP के प्रदर्शनकारियों से मुलाकात करूंगा और अपना समर्थन दूंगा।

TMC नेता महुआ मोइत्रा- आपके उपवास ने युवाओं को एकजुट कर दिया है। सरकार को आपके या करोड़ों युवाओं के जीवन की परवाह नहीं है। आपका जीवन हमारे लिए मायने रखता है। अनशन बंद करें और लड़ाई जारी रखें।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके- उनकी मसल्स कमजोर होने लगी हैं। सब की तरह मैंने भी उनसे अनशन खत्म करने की रिक्वेस्ट की है। उन्होंने कहा- 'मुझसे अनशन खत्म करने के लिए मत कहो। सरकार से पूछो कि वह बातचीत क्यों नहीं कर रही है।'

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे- हम, शिवसेना की ओर से सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके के आंदोलन को सपोर्ट देते हैं। दीपके से फोन पर बात कर सोनम से भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की है।

ओमी वैद्य- मैं नहीं चाहता कि यह इंसान मर जाए। मेरे लिए वह एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं। मैं चाहता हूं कि वह सुरक्षित रहें और जिंदा रहें।

जीनत अमान- मैं भारत सरकार से बातचीत शुरू करने की अपील करती हूं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए, जो चुपचाप बैठकर अपने सबसे अच्छे दिमागों में से एक को बलिदान होते देखता रहे।

सोनम वांगचुक 170...

सरकार ने हिंसा भड़काने का आरोप वांगचुक पर लगाया। इसके दो दिन बाद, 26 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत हिरासत में लेकर जोधपुर जेल भेज दिया गया।

देश में मानसून ब्रेक...

दिल्ली और श्रीगंगानगर में हीट इंडेक्स करीब 45°C-46°C है।

दौलत कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक अल नीनो के असर और अगले दो हफ्तों तक सामान्य से कम बारिश की संभावना से खरीफ की तिलहन और कपास की फसलों पर असर पड़ सकता है। खासकर राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तर कर्नाटक में कम बारिश की संभावना जताई गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, धान की बुवाई सामान्य से ज्यादा हुई है, लेकिन तिलहन, सोयाबीन, मूंगफली और कपास की बुवाई अभी भी सामान्य से कम है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी में बनने वाले नए सिस्टम से मध्य और पूर्वी भारत में आने वाले दिनों में बारिश बढ़ने की उम्मीद है।

अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ में क्रा दादी जिले में कुमेय नदी पर बना 84 मीटर लंबा पुल सोमवार को बाढ़ में बह गया। इसके बाद 8 गांवों का राज्य के बाकी हिस्सों से संपर्क पूरी तरह कट गया।

राज्य में बारिश के कारण आई बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 26 जिलों के 425 गांवों में रहने वाले 97,182 लोग प्रभावित हुए हैं।

पिपसोरंग के सब-डिविजनल ऑफिसर युमलाम पुलु और ताली ईस्ट के जिला परिषद सदस्य रुघु तामा ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

दिव्यांगों पर टिप्पणी...

फाउंडेशन की वकील अपराजिता सिंह ने कहा कि रैना ने अपने किसी भी शो में शामिल होने के लिए उनसे या किसी अन्य दिव्यांगजन से कभी संपर्क नहीं किया।

याचिका में दिव्यांगों के जीवन और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन करने वाले ऑनलाइन कंटेंट के प्रसारण पर नियम बनाने की मांग की गई है। याचिका नवंबर 2025 में दायर की गई।

दावा- ट्रेनिंग में दूर-दूर दिखे, कोटक ने मैसेज पास किए

क्या कोहली और गंभीर के बीच बातचीत बंद है

अनबन की अटकलें तेज

अनबन

> विराट कोहली करीब 5 महीने के बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने पिछला मुकाबला 18 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ इंदौर में खेला था। उसके बाद वे जून अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में चोट के कारण हिस्सा नहीं रहे सके थे। उन्हें आईपीएल 2026 के फाइनल में इंजरी हुई थी।

विराट कोहली ने नेट्स से पहले फुटबॉल खेला और फील्डिंग ड्रिल्स की।

बर्मिंघ, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से ठीक पहले विराट कोहली और गौतम गंभीर के बीच अनबन की अटकलें हैं। इन अटकलों को टाइम्स नॉउ न्यूज की रिपोर्ट ने हवा दी है, जिसमें दावा किया गया है कि कोहली और गंभीर के बीच बातचीत नहीं हो रही है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे आज बर्मिंघम में खेला जाना है।

रिपोर्ट के मुताबिक बर्मिंघम में सोमवार को प्रैक्टिस सेशन के दौरान कोहली और गंभीर ने एकदूसरे को नजरअंदाज किया। गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल, रोहित शर्मा, केएल राहुल समेत ज्यादातर खिलाड़ियों से बात की। लेकिन, कोहली की नेट प्रैक्टिस दूर से देखते रहे। उन्होंने नेट्स के बाद कोहली से बात करने के लिए बैटिंग कोच सुतांशु कोटक को भेजा।

कोहली ने पहले फील्डिंग ड्रिल्स कीं, उसके बाद सीधे नेट्स में जाकर 30-40 मिनट बल्लेबाजी की। फिर विराट नेट्स से बाहर निकल आए।

नेट्स के बाद सितांशु कोटक उनसे जाकर मिले और लंबी बातचीत की। इतना ही नहीं, गंभीर जब टीम के अन्य खिलाड़ियों से बात कर रहे थे तो कोहली उन्हें इग्नोर करते हुए अपने किट बैग के साथ आगे निकल गए।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मैच से पहले कहा कि विराट कोहली 2027 वनडे वर्ल्ड कप की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में विराट के साथ टीम कॉम्बिनेशन और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। गिल ने कहा कि रोहित और विराट का अनुभव टीम के लिए बेहद अहम रहेगा।

पहले भी कोहली-गंभीर में अनबन के दावे

कोहली और गंभीर के बीच अनबन के दावे पहले भी होते रहे हैं। गंभीर टीम इंडिया का हेड कोच बनने से पहले कोहली के खिलाफ कई बार बयानबाजी कर चुके हैं। कोहली और गंभीर कई बार मैदान पर लड़ भी चुके हैं। ताजा मामला साल 2023 का है, इकाना स्टेडियम में बेंगलुरु-लखनऊ मैच के बाद दोनों में तीखी बहस हुई थी।

धोनी सीएसके के मेंटर बन सकते हैं संजू सैमसन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

चेन्नई, एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के मेंटर बन सकते हैं। हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग के 18 साल बाद टीम छोड़ने के बाद फ्रेंचाइजी बड़े बदलाव की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक CSK मैनेजमेंट धोनी को मेंटर की जिम्मेदारी सौंपने पर विचार कर रहा है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला उनकी सहमति के बाद ही लिया जाएगा। अगर धोनी खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े रहना चाहते हैं, तो फ्रेंचाइजी उनके फैसले का सम्मान करेगी। पिछले सीजन घुटने की चोट के कारण वह एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। साथ ही, टीम नए कप्तान की भी तलाश में है और संजू सैमसन इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं। आखिरी सीजन में ऋतुराज गायकवाड ने चेन्नई की कप्तानी की थी। 45 साल के धोनी IPL में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने IPL में सबसे ज्यादा 226 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है।

धोनी ने अपनी कप्तानी में CSK को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। उसी फाइनल में उन्होंने आखिरी बार कप्तानी भी की थी। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 133 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 91 में टीम को हार मिली।

IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए है। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाया। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 158 कैच भी लपके हैं।

भारत ने लॉड्र्स का पहला महिला टेस्ट जीता इंग्लैंड को 270 रन से हराया

यस्तिका का शतक, 7 विकेट लेने वाली क्रांति प्लेयर ऑफ द मैच

लंदन, एजेंसी

लॉड्र्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास में पहली बार खेला गया महिला टेस्ट भारतीय टीम ने जीत लिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हरा दिया। भारतीय टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में मेजबान टीम पर भारी पड़ी।

रनों के लिहाज से यह भारतीय महिला टीम की दूसरी सबसे बड़ी टेस्ट जीत रही। इससे पहले टीम ने 2023 में इंग्लैंड को ही 347 रन से हराया था। भारत को आज तक इंग्लैंड में महिला टेस्ट में हार नहीं मिली है। टीम ने यहां अब तक 11 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 3 जीते हैं, जबकि 8 मुकाबले ड्रॉ रहे।

भारत ने पहली पारी में 285 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड 170 पर सिमट गई। भारत को 115 रन की बढ़त मिली। भारत ने दूसरी पारी 341 रन पर घोषित की और 457 रन का टारगेट दिया। इंग्लैंड 186 पर ऑलआउट हो गई। 1884 में इसी मैदान का पहला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की पुरुष टीमों के बीच खेला गया। यहां पहला महिला टेस्ट मैच होने में 142 साल लग गए। 10 जुलाई 2026 को भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों ने पहला टेस्ट खेला।

यस्तिका भाटिया लॉड्र्स में शतक लगाने वाली पहली महिला टेस्ट क्रिकेटर बनीं। क्रांति इस ग्राउंड पर 5 विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने दोनों पारियों में फिफ्टी लगाई। उन्होंने पहली पारी में 83 और दूसरी पारी में 70 रन बनाए।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और शेफाली वर्मा बिना खाता खोले आउट हो गईं। इसके बाद स्मृति मंधाना (83), कप्तान हरमन-प्रीत कौर (58) और दीप्ति शर्मा (57) की पारियों से भारत ने 285 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन और लॉरेन फिलर ने 2-2 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 170 रन पर सिमट गई। क्रांति गौड़ ने 5 विकेट झटके।

जेडेन लेनोक्स ने 19 रन देकर 5 विकेट लिए, 3 मैचों की वनडे सीरीज 1-1 से बराबर

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया है। गयाना में खेले गए इस मैच में जेडेन लेनोक्स के फाइव विकेट हॉल की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को महज 138 रनों पर समेट दिया।

वेस्टइंडीज की टीम ने अपने आखिरी 10 विकेट सिर्फ 75 रन के अंदर गंवा दिए। 139 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर आसानी से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 3 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

कप्तान मिचेल सेंटनर ने भी दो अहम विकेट लिए। उन्होंने जॉन कैंपबेल और पिछले मैच के हीरो कीसी कार्टी को क्लीन बोल्ड किया।

न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने इस मुकाबले में कुल 9 विकेट लिए। यह वनडे इतिहास में एक पारी में न्यूजीलैंड के स्पिनरों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शुरुआती स्पेल के बाद जैकब डफी और मैथ्यू फिशर की जगह पूरी पारी में स्पिनरों ने गेंदबाजी संभाली। 139 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन 35 रन के बाद टीम ने 17 रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। विल यंग एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि मार्क चैपमैन बिना खाता खोले रन आउट हो गए।

इसके बाद टॉम लैथम और डेरिल मिचेल ने पारी संभाली।

जेडेन लेनोक्स न्यूजीलैंड के तीसरे सबसे सफल वनडे स्पिनर बने

न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन लेनोक्स इस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने सिर्फ 19 रन देकर 5 विकेट चटकाए। यह उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले खेले गए 6 वनडे मैचों में लेनोक्स कभी भी 2 से ज्यादा विकेट नहीं ले पाए थे। उनके पहले चार विकेट क्लीन बोल्ड के रूप में आए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही लेनोक्स न्यूजीलैंड के पुरुषों के वनडे इतिहास में तीसरे सबसे बेस्ट आंकड़े दर्ज करने वाले स्पिनर बन गए हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर ईश सोढ़ी (6/39) और दूसरे नंबर पर डेनियल विटोरी (5/7) का नाम शामिल है।

63 रन की ओपनिंग साझेदारी के बाद बिखरी वेस्टइंडीज

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद शानदार रही थी। ओपनर जॉन कैंपबेल और अकीम ऑगस्टे ने पहले विकेट के लिए 63 रनों की मजबूत पार्टनरशिप की। पावरप्ले के आखिर में दोनों ने तेजी से रन बनाए, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड के स्पिनरों ने मैच का रुख बदल दिया।

माइकल ब्रेसवेल ने पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद वेस्टइंडीज ने लगातार विकेट गंवाए। टीम 138 रन पर ऑलआउट हो गई। जॉन कैंपबेल ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। अमीर जांगू ने 20 रन की पारी खेली, जबकि बाकी कोई बल्लेबाज 20 रन तक नहीं पहुंच सका।

मनोरंजन

3 इडियट्स के 'चतुर' ने जताई चिंता जीनत अमान ने कहा- अपने अच्छे दिमाग को चुपचाप मरते हुए मत देखिए

नहीं चाहता फुंसुख वांगडू मर जाएं : ओमी वैध

नई दिल्ली, एजेंसी

> वहीं, एक्ट्रेस जीनत अमान ने एक पोस्ट में लिखा कि मैं वांगचुक की मांगों का सम्मान करती हूं। मेरी भारत सरकार से अपील है कि इस मुद्दे पर उनसे बातचीत करें। यह भारत के भविष्य से जुड़ा है।

लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का आज यानी 14 जुलाई को 17वां दिन है। NEET पेपर लीक मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन कर रही है। इसी में वांगचुक भी अनशन पर बैठे हैं।

वांगचुक की हड़ताल को लेकर बॉलीवुड के लोग उनके समर्थन में आए हैं। '3 इडियट्स' में चतुर रामलिंगम का किरदार निभा चुके ओमी वैद्य ने कहा, ' मैं नहीं चाहता कि यह इंसान मर जाए। मेरे लिए वह एक प्रेरणादायक व्यक्ति हैं। मैं चाहता हूं कि वह सुरक्षित रहें और जिंदा रहें।' वांगचुक को धूप से बचाने के लिए अस्थायी तिरपाल लगाया गया था, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों में बाधा का हवाला देते हुए उसे हटाने का निर्देश दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।वांगचुक को धूप से बचाने के लिए अस्थायी तिरपाल लगाया गया था, लेकिन पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों में बाधा का हवाला देते हुए उसे हटाने का निर्देश दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। ओमी ने आगे कहा,मैं उनसे मिल चुका हूं। वह बहुत ही दिलचस्प और सादगी पसंद इंसान हैं। उन्होंने अपनी जिंदगी में कई बेहतरीन काम किए हैं। इसलिए मैं आपसे कहूंगा कि उनके बारे में जानिए और देखिए कि इस समय वह क्या कर रहे हैं।

ओमी ने वीडियो जारी कर लोगों से ध्यान देने की अपील की

ओमी वैद्य ने एक वीडियो मैसेज जारी कर कहा कि आज मैं आपसे एक जरूरी बात करना चाहता हूं। मैं अक्सर ऐसे वीडियो नहीं बनाता, इसलिए मेरी बात ध्यान से सुनिए। क्या आपको पता है कि 3 इडियट्स में आमिर खान का किरदार फुंसुख वांगडू असल जिंदगी के लद्दाख के इंजीनियर, इनोवेटर, शिक्षक और समाज सुधारक सोनम वांगचुक से प्रेरित था?

टॉम क्रूज को देख फैंस हैरान शानदार है डिग्गर का ट्रेलर

बाहर निकला पेट, चेहरे पर झुर्रियां और बिखरे बाल

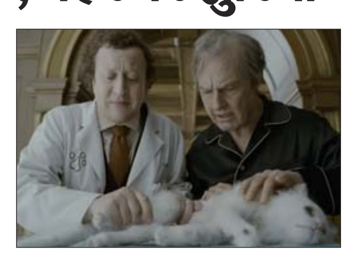

नई दिल्ली। दुनियाभर में अगर सुपरस्टार्स की गिनती होती है, तो उसमें टॉम क्रूज का नाम सबसे पहले आता है। टॉम क्रूज को अबतक आपने कई अलग-अलग किरदारों में देखा होगा लेकिन अब टॉम क्रूज एक अवतार में दिखने जा रहे हैं। हाल ही में टॉम क्रूज की फिल्म डिगर (Digger) का ट्रेलर रिलीज किया गया है। इस फिल्म में टॉम क्रूज अरबपति ऑयल कारोबारी डिगर रॉकवेल की भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में दिखता है कि उनकी लाइफ बेहद लग्जरी से भरी हुई है। फिल्म में टॉम एक ऐसे तेल कारोबारी कि किरदार में हैं, जो दुनिया के सबसे ताकतवर लोगों में आते हैं। डिगर रॉकवेल की एक कंपनी है जिसकी वजह से पर्यावरण आपदा आई है और इसके अलावा दिखाया गया है कि कैसे परमाणु युद्ध का खतरा सामने आ गया है। बर्फ से पिघलते पहाड़ और पर्यावरण को होता नुकसान, यही सब ट्रेलर में दिखा है। अब डिगर इसी के लिए मसीहा बनने की राह पर जाता है।

ट्रेलर में सबसे ज्यादा चर्चा टॉम क्रूज (Tom Cruise) के लुक देखा जा सकता है कि उनके चेहरे पर अजीब सी झुर्रियां हैं। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद आप सोचने पर मजबूर हो जाएंगे कि आखिरकार क्या वाकई में यह टॉम क्रूज ही हैं। 64 साल के टॉम क्रूज का लुक इंटरनेट पर भी लोगों को हैरान कर रहा है।

बाहर निकला पेट, बिखरे हुए बाल और चेहरे पर झुर्रियां... देखने वाले भी टॉम के इस लुक को देखकर हैरान हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर फिलहाल तो इसी की चर्चा ज्यादा हो रही है।

जरीन खान पैपराजी पर भड़कीं, कहा- हद में रहकर बात करो, बर्दाश्त नहीं करूंगी, फोटोग्राफर ने सामने ड्रेस ट्राई करने को कहा

‘फालतूगिरी मत करना’

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वे पैपराजी पर बुरी तरह गुस्सा करती नजर आ रही हैं। एक ब्रांड इवेंट के दौरान जरीन ने पैपराजी को फटकार लगाते हुए कहा की मेरे साथ फालतूगिरी की बातें नहीं करना। उन्होंने सख्त लहजे में सामने वाले को अपनी हद में रहने की हिदायत दी।

दरअसल जरीन खान मुंबई में एक क्लोदिंग ब्रांड के प्रमोशन इवेंट में पहुंची थीं। वे हरे रंग की ड्रेस पहने हुए मीडिया के कैमरों के सामने डेनिम जैकेट और जींस को डिस्प्ले कर रही थीं। इसी दौरान वहां मौजूद पैपराजी ने उनसे कहा की ड्रेस ट्राई करके दिखाओ।

एक्ट्रेस को ये बात बिल्कुल पसंद नहीं आई। जरीन खान ने कहा, ₹फालतूगिरी की बातें नहीं करना मेरे साथ, क्योंकि मैं ऐसी चीजें बर्दाश्त करने वालों में से नहीं हूं। अपनी हद में रहकर बात करना। यह बात कहते हुए जरीन के चेहरे पर साफ तौर पर गुस्सा देखा जा सकता है। वहीं, पिछले महीने सलमान खान भी पैपराजी पर भड़क गए थे। दरअसल, वे हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे, जहां से निकलते समय पैपराजी के शोर से एक्टर भड़क गए थे।

हालांकि, बाद में जब सलमान फिल्म राजा शिवाजी की सक्सेस पार्टी में पहुंचे, तब सभी पैपराजी ने उनसे माफी मांगी थी।

सलमान जैसे ही पार्टी में पहुंचे, वैसे ही सभी पैपराजी ने उन्हें घेर लिया और माफी मांगने लगे। सभी एक साथ, ₹सॉरी भाईजान, जोर से बोलो सॉरी₹, कहते दिखे। इसके बाद सलमान ने भी उनकी माफी कबूल कर ली थी।

गोविंदा के बॉडीगाड्र्स की हुई बहस

बता दें कि इस पहले गोविंदा के बॉडीगाड्र्स की भी पैपराजी से बहस हो चुकी है। दरअसल, गोविंदा पिछले एक इवेंट में पहुंचे थे। वहां से निकलते हुए उन्हें पैपराजी ने घेर लिया था। जब उनके गाड्र्स ने निकलने की जगह बनाने के लिए लोगों को पीछे किया, तो पैपराजी ने आरोप लगाया कि उन्हें धक्का दिया गया। विवाद बढ़ने पर गोविंदा को खुद बीच-बचाव करना पड़ा था।

हाल ही में नेहा धूपिया भी दे चुकीं हिदायत

इससे पहले गोल्ड स्ट्रीमिंग अवॉर्ड सेरेमनी में नेहा धूपिया पैपराजी पर भड़क गई थीं। एक्ट्रेस ने बैक शॉट लेने और उन्हें पोस्ट करने पर नाराजगी जाहिर की और पैपराजी को कड़े शब्दों में वॉर्निंग भी दी। सेरेमनी से नेहा धूपिया अवॉर्ड लेकर निकल रही थीं। तभी पैपराजी ने उनके ग्रे हेयर पर कमेंट किया, जिसके जवाब में भड़कते हुए उन्होंने कहा है, ‘बोल लिया? कर लिया? ये बदतमीजी से बैक शॉट कौन लेता है तुम लोगों में से? कौन लेता है? छापता कौन है? मत करो। मेरा नहीं करना है, किसी का नहीं करना है। बोल-बोलकर थक गए हैं।’ आगे एक्ट्रेस ने कहा, ‘हम लोगों का काम नहीं है ये। हम बाहर आते हैं, तो आप लोग वहां ये सब करते हैं, बैग उठाकर, बुक उठाकर, पीछे से चलते हुए, ये सब नहीं चलेगा अभी। बंद करो ये सब। बहुत इज्जत से आप लोगों से बात करते हैं, ये सब मत करो। मत करो, बिल्कुल ये सब मत करो।’

मलाइका अरोड़ा ने लगाई थी पैपराजी की क्लास

कुछ समय पहले ही मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो पैपराजी पर गुस्सा करती दिखी थीं। दरअसल, एक इवेंट के बाद मलाइका एक शख्स से बात कर रही थीं, लेकिन पैपराजी प्राइवेसी देने के बजाए लगातार उनका वीडियो ले रहे थे। ये देख एक्ट्रेस भड़क गईं और कहा- इधर ही आ जाओ।

होर्मुज में तेल टैंकरों पर मिसाइल हमले किए थे ■ अमेरिका की ईरान पर 5 घंटे बमबारी

ईरानी हमले में भारतीय की मौत, डिप्लोमेट तलब

निंदा

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने सोमवार देर रात UAE के दो तेल टैंकरों पर क्रूज मिसाइलों से हमला किया। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 6 भारतीय नागरिकों समेत 8 लोग घायल हैं।

भारत ने मंगलवार सुबह ईरान के उप राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी समेत ईरानी डिप्लोमेट्स को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने घटना पर गंभीर चिंता जताई और ईरानी मिशन से जवाब मांगा।

इधर, अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान पर करीब पांच घंटे बमबारी

की। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान का जवाब- सुरक्षा हम देते हैं, लेकिन 20% ज्यादाः ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ट्रम्प के बयान का जवाब देते हुए कहा कि सुरक्षित समुद्री रास्ता उपलब्ध कराने वाले को भुगतान मिलना चाहिए और यह जिम्मेदारी हमेशा से ईरान निभाता आया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 20 प्रतिशत तो बहुत ज्यादा है। हम उचित शुल्क लेंगे।

अमेरिका ने ईरान के सबमरीन और नेवल बेस पर हमला कियाः CENT-COM ने बंदर अब्बास स्थित सबमरीन और नेवल मेंटेनेंस फैसिलिटी पर सी-ड्रोन से हमला किया। अईरान की नौसैनिक क्षमता को निशाना बनाया।

ईरान बोला- होर्मुज पर कंट्रोल नहीं छोड़ेंगेः सुप्रीम लीडर के सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने कहा कि होर्मुज पर नियंत्रण बनाए रखेंगे। अमेरिका के दखल और दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रूस का स्पेशल कमांड एयरक्राफ्ट Tu-214PU तेहरान पहुंचा। यह विमान परमाणु या बड़े युद्ध के दौरान राष्ट्रपति और सेना के कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इस बीच अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले गैर रजिस्ट्रर्ड जहाजों पर हमलों का आरोप लगाते हुए ईरान पर अपना नौसैनिक प्रतिबंध (नेवल ब्लॉकेड) फिर से लागू कर दिया है। इससे दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति और तेल के कारोबार को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, ईरान ने पिछले 26 दिनों में 8 करोड़ बैरल कच्चा तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात किए हैं। इसकी अनुमानित कीमत 6 अरब डॉलर है।

ट्रम्प बोले- होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स : अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा करेगा। इसके बदले हर कार्गो पर 20% शुल्क वसूलेगा। ईरानी जहाजों और उसके ग्राहकों पर नई पाबंदियां लागू कीं।

होर्मुज स्ट्रेट पर बढ़े तनाव के बीच चीन की अपील

ईरान के बंदर अब्बास के पास होर्मुज के पानी में बच्चे खेलते हुए। पीछे विस्फोट के बाद उठता धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। तस्वीर 3 जुलाई की है। ईरान के बंदर अब्बास के पास होर्मुज के पानी में बच्चे खेलते हुए। पीछे विस्फोट के बाद उठता धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। तस्वीर 3 जुलाई की है। चीन ने अमेरिका और ईरान से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही जल्द बहाल करने की अपील की है। इस अहम रास्ते से जहाजों के आने-जाने को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से तनाव बढ़ने के बाद बीजिंग ने यह बयान दिया। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन तनाव कम कराने के लिए लगातार कोशिश करता रहेगा।

भारत ने ईरान के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया

भारत ने होर्मुज स्ट्रेट में UAE के टैंकर एमटी अल बहियाह और एमटी मोंबासा पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन दोनों जहाजों पर 30 भारतीय नाविक सवार थे। हमले में एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में ईरान के उप राजदूत को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत ने क्षेत्र में तुरंत हिंसा रोकने, नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित आवाजाही व निर्बाध व्यापार बहाल करने की मांग की है।

■ ईरान के बंदर अब्बास के पास होर्मुज के पानी में बच्चे खेलते हुए। पीछे विस्फोट के बाद उठता धुएं का गुबार दिखाई दे रहा है। तस्वीर 3 जुलाई की है।

कुवैत ने यूएई के टैंकरों पर ईरानी हमले की निंदा की

कुवैत ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे यूएई के दो तेल टैंकरों पर ईरान के हमले की कड़ी निंदा की है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने इस हमले को निंदनीय बताते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है और समुद्री आवाजाही तथा वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। कुवैत ने इस मामले में यूएई के साथ एकजुटता जताई और क्षेत्र में जारी सैन्य संघर्ष को तुरंत रोकने की अपील की।

फास्ट न्यूज

ईरान हमले पर ट्रंप का समर्थन करने वाले लिंडसे ग्राहम की मौत पर तेहरान में जश्न

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर किए गए हमले का समर्थन करने वाले सीनेटर लिंडसे ग्राहम की मौत पर तेहरान में जश्न का माहौल है। वह ईरान को अलग-थलग करने और परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने के बड़े समर्थक थे। इस बीच, हमशहरी अखबार ने चेतावनी दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति और दूसरे अमेरिकी अधिकारियों की अचानक मौत हो सकती है।

'20% बहुत अधिक, हम उचित रहेंगे'

तेहरान। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी कार्गो जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क वसूलने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की योजना का कड़ा विरोध किया है। ईरान के विदेश मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा है कि अमेरिका नहीं, बल्कि ईरान हमेशा से इस जलमार्ग का सच्चा रक्षक रहा है। जो कोई भी होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करता है, उसे इस सेवा के लिए मुआवजा मिलना चाहिए। लेकिन ईरान हमेशा से इस जलमरूमध्य का रक्षक रहा है और हमेशा रहेगा।

पाकिस्तान में विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म के मामले में आरोपितों की रिमांड चार दिन बढ़ी

लाहौर। पाकिस्तान की एक अदालत ने दो विदेशी महिलाओं के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार चार संदिग्ध आरोपितों की रिमांड चार दिन के लिए बढ़ा दी। आरोपितों में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार का एक रिश्तेदार भी शामिल है। दो महिलाओं में से एक नीदरलैंड की और दूसरी वेनेजुएला की रहने वाली थी।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ पहली बार किया सी-ड्रोन का इस्तेमाल

अमेरिकी सेना ने ईरान के पनडुब्बी रखरखाव केंद्र पर हमला किया

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सेना ने ईरान में पनडुब्बी और जहाज के रखरखाव के सेंटर पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने सोमवार को बताया कि सेना ने रविवार को कई ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए इन ठिकानों पर हमले किए।

सेंट्रल कमांड ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ₹कल CENT-COM की सेनाओं ने कई वन-वे अटैक ड्रोन का इस्तेमाल करके ईरान में पनडुब्बी और जहाज के रखरखाव की सुविधा पर सफलता-पूर्वक हमला किया।

ये हमले ऐसे समय में हो रहे हैं जब अमेरिका और ईरान अपने पुराने रूप में वापस लौट आए हैं। एक तरफ जहां अमेरिका ईरान के ठिकानों पर हमले कर रहा है तो वहीं ईरान कतर, बहरीन, जॉर्डन और

ओमान समेत मिडिल-ईस्ट के आस-पास के देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है।

अमेरिका ने ईरान के अहम बंदर अब्बास पोर्ट पर हमला किया। यह पहली बार था जब अमेरिकी सेना ने कॉम्बैट ऑपरेशन में समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल किया था। सेंट्रल कमांड ने कहा, ₹पिछली रात के हमलों ने ईरान की कमर्शियल शिपिंग पर हमला जारी रखने की क्षमता को कम कर दिया है। यह घटना अमेरिकी सेना के उस बयान के कुछ घंटों बाद हुई है जिसमें उसने कहा था कि सोमवार को उसने दर्जनों ठिकानों पर हमले किए। इनमें एयर डिफेंस सिस्टम, रडार साइट, मिसाइल और ड्रोन उपकरण तथा छोटी नावें शामिल थीं।

'खुला रहेगा होर्मुज स्ट्रेट'

होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने के ईरानी दावों को खारिज करते हुए ट्रंप ने कहा, ₹होर्मुज खुला है और हमेशा खुला रहेगा। चाहे ईरान साथ दे अथवा न दे।₹ हाल ही में हुए यूएस-ईरान हमलों ने जून में हुई अंतरिम डील को खतरे में डाल दिया है। ईरानी समाचार एजेंसियों 'फार्स' और 'तस्नीम' की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी ईरान में कुवैत और इराक के पास तेल उत्पादक इलाके में यूएस के हमलों में दो लोगों की मौत हो गई।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से 2 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी, त्योहारों पर मनमाना किराया लेती हैं एयरलाइंस

सरकार तय करेगी हवाई किराया रेगुलेट करने के नियम तैयार

■ **सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने बेंच से कहा- हवाई किराया 300% तक बढ़ जाता है। इस पर बेंच ने मजाक में कहा- वकीलों की फीस भी कई बार 400% तक बढ़ जाती है, अब क्या किया जाए।**

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 2 हफ्तों में हवाई किराया तय करने के नियम सौंपने को कहा है। त्योहारों के समय एयरलाइंस कंपनियों की ओर से मनमाने तरीके से किराया बढ़ाने को लेकर सोमवार को कोर्ट में सुनवाई हुई।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच इस मामले से जुड़ी एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान जब केंद्र ने बताया कि हवाई किराया कंट्रोल करने के नियम तैयार हैं और इन्हें 30 दिन में संसद में पेश किया जाएगा।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, नियम संसद में पेश हों या न हो, लेकिन सरकार को अगले दो हफ्तों के भीतर इसकी एक कॉपी 'सीलबंद लिफाफे' में कोर्ट में जमा करनी होगी। मामले की अगली सुनवाई अब 3 अगस्त को होगी। इससे पहले 30 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने एक पिटीशन पर एफिडेविट फाइल न करने के लिए केंद्र की खिंचाई की थी, जिसमें भारत में प्राइवेट एयर-लाइन्स के हवाई किराए और सहायक चार्ज में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करने के लिए रेगुलेटरी गाइडलाइंस की मांग की गई थी।

कोर्ट ने केंद्र से एक एफिडेविट के साथ एक एप्लिकेशन फाइल करने को कहा था, जिसमें यह बताने के निर्देश दिए गए थे कि एफिडेविट फाइल क्यों नहीं किया गया है। इसके लिए और समय क्यों मांगा गया है।

दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों

इससे पहले सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन ने एयरलाइंस कंपनियों की ओर से टिकटों के दामों में उतार-चढ़ाव और यात्रियों से मनमाना किराया वसूलने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका लगाई थी, जिसकी सुनवाई 15 मई को हुई थी। उनकी मांग थी कि, देश में मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए, जो एयरलाइनों के किराए और एक्स्ट्रा चार्जेस पर निगरानी रखे।

हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका लगाई, नीलामी की प्रक्रिया गलत होने का आरोप

ब्रिटेन में मंदिर की जगह मुस्लिमों को बेचने पर विवाद

बर्मिंघम को 24-25 का बजट संतुलित करने के लिए 2,883 करोड़ रु. की संपत्तियां बेचने का लक्ष्य रखना पड़ा। नॉटिंघम का 2025-26 घाटा 267 करोड़ और चार वर्षों का कुल अनुमानित अंतर 689 करोड़ रु. था।

लंदन, एजेंसी

लंदन से 120 किमी दूर पीटरबरो में 40 साल पुराने मंदिर और कम्युनिटी सेंटर की बिक्री को पर विवाद हो गया है। पीटरबरो सिटी काउंसिल ने न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स को नीलामी के बाद एक मुस्लिम संस्था, यूनाइटेड किंगडम इस्लामिक मिशन, को बेचने का फैसला किया है। इसी परिसर में भारत हिंदू समाज का मंदिर चलता है, जो शहर और आसपास रहने वाले हजारों हिंदुओं का प्रमुख पूजा और सांस्कृतिक केंद्र है। फैसले से नाराज भारत हिंदू समाज ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बिक्री प्रक्रिया को चुनौती दी है।

भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की

■ पीटरबरो के मंदिर के अंदर पूजा की तस्वीर।

करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया। नीलामी के मूल्यांकन में भी गंभीर खामियां रहीं। बता दें कि फरवरी 2026 में हाई कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाते हुए काउंसिल को बिक्री पूरी करने जैसे किसी भी कदम से रोक दिया था।

अब न्यायिक समीक्षा में यह जांच हो रही है कि फैसला लेने की प्रक्रिया कानून के मुताबिक थी या नहीं। मंदिर प्रबंधन ने साफ किया है कि उसका विरोध मुस्लिम संस्था से नहीं, बल्कि काउंसिल के फैसले और प्रक्रिया से है। अब कोर्ट जांच करेगा कि संपत्ति बेचने का फैसला कानून और समानता के नियमों के मुताबिक लिया गया था या नहीं।

मंदिर बंद होने से 56 किमी दूर जाने को मजबूर होंगे हिंदू

भारत हिंदू समाज का कहना है कि पीटरबरो का यह मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इलाके के 4,000 हिंदुओं का एकमात्र सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्र भी है। यदि यह परिसर बंद होता है, तो हिंदुओं को पूजा-अर्चना व त्योहारों के लिए निकटतम मंदिर (कैंब्रिज-56 किमी) या (लेस्टर-64 किमी) का रुख करना पड़ेगा।

■ भारत हिंदू समाज संगठन का आरोप है कि काउंसिल ने मंदिर की करीब 40 साल पुरानी धार्मिक और सामुदायिक भूमिका को नजरअंदाज किया।

पीटरबरो का विवाद ब्रिटेन में अकेला नहीं है। यहां की काउंसिलें बढ़ते खर्च व कम सरकारी मदद के कारण सामाजिक परिसर, स्पोर्ट्स सेंटर व कम्युनिटी भवन बेचकर बजट संभाल रही हैं।

मिसाइल अलर्ट के बाद कीव में गूंजे धमाके

कीव, एजेंसी

यूक्रेनी वायुसेना द्वारा मिसाइल हमले की चेतावनी दिए जाने के बाद मंगलवार को आधी रात को यूक्रेन की राजधानी कीव में सिलसिलेवार धमाकों की आवाज सुनी गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर जानकारी देते हुए कहा कि राजधानी में एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय रूप से काम कर रहा है। दुश्मन कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला कर रहा है। उन्होंने आगे बताया कि इन हमलों के कारण कीव के दक्षिण में स्थित होलोसीवस्की जिले में आग लग गई है। राजधानी में आधा दर्जन धमाकों की आवाज सुनाई देने से पहले ही हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजने लगे थे। पिछले महीने से, रूस द्वारा कीव को बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों का निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों में विशेष रूप से बैलिस्टिक हथियारों का उपयोग किया जा रहा है, जो अत्यधिक तेज होते हैं और जिन्हें हवा में रोक पाना या नष्ट करना काफी मुश्किल होता है। गौरतलब है कि इससे पहले 1 से 2 जुलाई की मध्यरात्रि को हुई बड़े पैमाने पर रूसी बमबारी में 30 लोगों की मौत हो गई थी। यह मिसाइल हमला ऐसे समय में हुआ है जब ठीक एक दिन पहले सोमवार को यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों ने पेरिस में एक महत्वपूर्ण बैठक की थी।

■ **रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों से किया हमला, एयर डिफेंस सक्रिय।**

■ **यह हमला पेरिस बैठक और नए रक्षा गठबंधन के बाद हुआ।**

बढ़ोतरी : जून में थोक महंगाई 9.81%, 44 महीने में सबसे ज्यादा रिटेल महंगाई भी 6 महीने से लगातार बढ़ रही

खाने-पीने और रोजाना जरूरत के सामान महंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

जून में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 9.87% पर पहुंच गई है। यह पिछले महीने 9.68% पर थी। जून में महंगाई 44 महीने में सबसे ज्यादा है। सितंबर 2022 में ये 10.70% पर पहुंच गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 जुलाई को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

महंगाई बढ़ने की वजह रोजमर्रा की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों का महंगा होना है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से चल रहा तनाव कम नहीं हुआ तो इसके दामों में और इजाफा हो सकता है। इससे पहले कल रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी हुए थे। रिटेल महंगाई भी लगातार छठे महीने बढ़कर 4.38% पर पहुंच गई है।

आलू-अदरक समेत खाने-पीने की चीजों के दाम फिर बढ़ने से रिटेल महंगाई लगातार छठे महीने बढ़ी है। जून में यह 4.38% पर पहुंच गई है। जनवरी में यह 2.74% थी। वहीं एक महीने पहले मई में 3.93% थी। यानी, यह लगातार छठा महीना है जब महंगाई बढ़ी है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं।

होर्मुज में यूएई के टैंकरों पर ईरान का हमला

एक भारतीय की मौत आठ अन्य घायल

तेहरान, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज में यूएई के झंडे वाले दो टैंकरों पर ईरानी क्रूज मिसाइलों से किए गए हमले में चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई है। इस हमले में आठ अन्य सदस्य घायल भी हुए हैं, जिनमें से चार की हालत गंभीर है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक आधिकारिक बयान में मंत्रालय ने बताया कि ओमान के जलक्षेत्र में होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिणी लेन में मोम्बासा और बाहिया नामक टैंकरों को निशाना बनाया गया। मंत्रालय के अनुसार, घायलों में छह भारतीय नागरिक और दो यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं। बयान में कहा कि इस हमले के परिणामस्व-रूप टैंकर मोम्बासा के चालक दल

के एक भारतीय सदस्य की जान चली गई और 8 अन्य लोग घायल हो गए। इनमें 4 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जिसमें घायलों में 6 भारतीय नागरिक और 2 यूक्रेनी नागरिक हैं।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि मिसाइल हमलों के कारण दोनों जहाजों में आग लग गई थी, लेकिन बाद में उस पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। यूएई ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। इसे गंभीर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताते हुए क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा करार दिया है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96